Website : www.mantrabharat.com
जुनून है सच लिखने का
E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

मंत्र भारत
हिन्दी दैनिक

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 07
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
बुधवार, 14 जनवरी, 2026

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 'हिम्मत है तो अपने पोते को मराठी स्कूल में ...
4 विश्व में हिन्दी की बढ़ती साखः भारत में ...
7 आइस हॉकी लीग की सीजन 3 के साथ लद्दाख...

संक्षिप्त न्यूज

बिहार में बुजुर्गों को अब घर पर मिलेगी जमीन-फ्लैट की रजिस्ट्री की सुविधाः नीतीश कुमार

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को राज्य के 80 वर्ष या उससे अधिक उम्र के बुजुर्गों को उनके घर पर ही जमीन या फ्लैट की निबंधन (रजिस्ट्री) सुविधा उपलब्ध कराने का ऐलान किया। यह सुविधा मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग द्वारा संचालित चलंत निबंधन इकाई (मोबाइल रजिस्ट्रेशन यूनिट) के माध्यम से निश्चित समय-सीमा के भीतर प्रदान की जाएगी, जिसमें आवेदक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। यह नयी व्यवस्था एक अप्रैल 2026 से लागू की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर बताया कि कई बार यह देखा गया है कि 80 वर्ष या उससे अधिक उम्र के बुजुर्गों को जमीन या फ्लैट की रजिस्ट्री से जुड़े कार्यों के निष्पादन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसी के मद्देनजर उन्हें सहूलियत देने और अनावश्यक परेशानियों से बचाने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि जमीन खरीदने के इच्छुक लोगों को कई बार संबंधित भूमि की अद्यतन जानकारी उपलब्ध नहीं हो पाती। इसे ध्यान में रखते हुए रजिस्ट्री से पूर्व भूमि की अद्यतन स्थिति की जानकारी क्रेता और विक्रेता दोनों को उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की जा रही है।

सोमनाथ से अमित शाह का दुनिया को संदेश-

सनातन धर्म की आस्था को ठेस पहुंचाना आसान नहीं

सोमनाथ। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि सोमनाथ मंदिर पर हमला देश के आत्मसम्मान और धार्मिक आस्था पर प्रहार माना जाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कई बार ध्वस्त होने के बावजूद, यह मंदिर दुनिया को यह संदेश देता है कि सनातन धर्म को ठेस पहुंचाना आसान नहीं है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि पूरा वर्ष सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के रूप में मनाया जाएगा। मानसा नगरपालिका के विभिन्न विकास कार्यों के उद्घाटन और शिलान्यास समारोह में उपस्थित शाह ने कहा कि सोमनाथ मंदिर पर हमले ऐतिहासिक रूप से देश के आत्मसम्मान और धार्मिक आस्था पर प्रहार के रूप में देखे जाते रहे हैं, लेकिन ये प्रयास सनातन धर्म को कमजोर करने में विफल रहे। शाह ने कहा कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। सोमनाथ पर हुए हमले को आत्मसम्मान

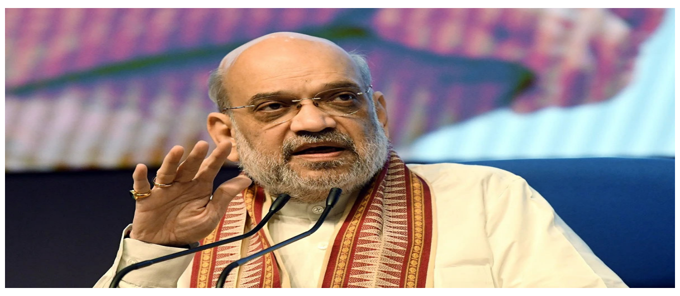

और धर्म पर हमला माना गया और आत्मसम्मान की रक्षा की गई। 16 बार नष्ट होने के बावजूद, भव्य सोमनाथ मंदिर दृढ़ता से खड़ा है। उन्होंने आगे कहा कि मंदिर की अटूट उपस्थिति विश्व को एक सशक्त संदेश देती है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि यह पूरे विश्व को संदेश देता है कि सनातन धर्म और भारत के लोगों की आस्था को ठेस पहुंचाना आसान नहीं है। उन्होंने घोषणा की कि पूरे वर्ष सोमनाथ स्वाभिमान पर्व मनाया जाएगा।

इस बीच, गुजरात सरकार ने जनभावनाओं और मांगों को ध्यान में रखते हुए सोमनाथ में 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' का उत्सव 15 जनवरी तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में 8 से 11 जनवरी तक सोमनाथ में 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' का भव्य आयोजन किया गया। रविवार को अपने संबोधन में भी प्रधानमंत्री ने कहा कि लोगों की भगवान भोलेनाथ में आस्था, भक्ति और अटूट विश्वास को देखते हुए, इस पर्व से अधिक से अधिक लोगों को लाभ मिलना चाहिए।

विज्ञप्ति के अनुसार,इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए प्रवक्ता और कृषि मंत्री जीतूभाई वाघानी ने बताया कि प्रधानमंत्री की प्रेरणादायक उपस्थिति में सोमनाथ में 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' ऐतिहासिक ढंग से मनाया जा रहा है। इस पर्व के अंतर्गत, प्रधानमंत्री की प्रेरणादायक उपस्थिति में आयोजित 'शौर्य यात्रा' में एक लाख से अधिक लोगों ने भाग लिया और लोग भगवान शिव के प्रति श्रद्धा में लीन हो गए।

20 जनवरी को भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकते हैं नितिन नबीन, 19 को दाखिल करेंगे नामांकन

नई दिल्ली।भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन अगले हफ्ते पार्टी अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन दाखिल कर सकते हैं। बिहार से पांच बार के विधायक नितिन नबीन को पिछले साल 14 दिसंबर को भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। सूत्रों के मुताबिक, नितिन नबीन 19 जनवरी को नामांकन दाखिल करेंगे और 20 जनवरी को उनके निर्विरोध चुने जाने की संभावना है।

निर्विरोध चुने जाने की पूरी संभावना

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, उनके निर्विरोध चुने जाने की पूरी संभावना है, क्योंकि किसी अन्य नेता के मैदान में उतरने की संभावना बेहद कम है। भाजपा के सूत्र ने बताया, अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए नामांकन 19 जनवरी को दाखिल किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, यदि आवश्यकता पड़ी तो जेपी नड्डा के स्थान पर नए भाजपा अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया पार्टी मुख्यालय में आयोजित की जाएगी।

कर्नाटक में होगा नेतृत्व परिवर्तन?: राहुल से मुलाकात के बाद सिद्धारमैया का चौंकाने वाला बयान

मैसूर। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मंगलवार को राज्य के नेतृत्व में संभावित बदलाव के बारे में मीडिया की अटकलों को खारिज कर दिया। उन्होंने एक बार फिर दोहराया कि वह कांग्रेस आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे। एयरपोर्ट पर कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए सिद्धारमैया ने कहा कि नेतृत्व के मुद्दों को लेकर पार्टी में कोई भ्रम नहीं है। उन्होंने साफ किया कि मुलाकात के दौरान उन्होंने राहुल गांधी के साथ कोई राजनीतिक चर्चा नहीं की।

क्या बोले सीएम सिद्धारमैया?

सिद्धारमैया ने कहा, 'आज कोई चर्चा नहीं हुई है और शाम को भी बात करने का कोई कार्यक्रम नहीं है। राहुल गांधी तमिलनाडु जा रहे हैं और बाद में दिल्ली जाने के लिए वापस आएंगे। तब मैं उन्हें विदा करूंगा।' नेतृत्व बदलने की खबरों पर सीएम ने मीडिया के सवालों के जवाब में कहा, 'आप लोग ही अटकलें लगा रहे हैं। पार्टी में ऐसा कोई मुद्दा नहीं है। यह सवाल ही गलत है।' कैबिनेट में बदलाव की अफवाहों पर भी उन्होंने कहा कि यह सब सिर्फ अखबारों और मीडिया में चल रहा है, पार्टी में ऐसी कोई बात नहीं है।

विधायकों पर क्या बोले सीएम?

दरअसल, 20 नवंबर को कांग्रेस सरकार का आधा कार्यकाल पूरा होने के बाद से नेतृत्व बदलने की चर्चा तेज हो गई है। 2023 में सरकार बनते समय सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच सत्ता बांटने की बात उठी थी। विधायकों के बयानों पर सिद्धारमैया ने कहा कि इस बारे में या तो डीके शिवकुमार बात करेंगे या मैं, क्योंकि सच हम ही जानते हैं। विधायकों को पूरी जानकारी नहीं है।

आलाकमान के फैसले का करेंगे पालन

शिवकुमार के समर्थकों के दावों पर उन्होंने कहा कि आलाकमान जो भी फैसला लेगा, हम उसे मानेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की पहले की उस टिप्पणी का जिक्र करते हुए, 'जिसमें उन्होंने कहा था कि स्थानीय नेताओं को नेतृत्व के मुद्दों को सुलझाना चाहिए' सीएम ने कहा मैंने और शिवकुमार ने बात की है और हम नाश्ते पर भी मिले हैं। हम दोनों आलाकमान का फैसला मानने को तैयार हैं। अंत में सिद्धारमैया ने कहा कि वह कैबिनेट में बदलाव पर बात करने के लिए अभी दिल्ली नहीं जाएंगे।

डीके शिवकुमार ने राहुल गांधी से की मुलाकात

सिद्धारमैया के इन जवाबों के बीच कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के मुलाकात का एक वीडियो सामने आया है। वीडियो राहुल गांधी के मैसूरु से उड़ान भरने से पहले का है। इसमें डीके शिवकुमार काफी देर तक हेलीपैड पर खड़े होकर राहुल गांधी से चर्चा करते नजर आ रहे हैं।

राज्य में 12 जिला परिषदों और 125 पंचायत समितियों के लिए चुनाव 5 फरवरी को मतदान; 7 फरवरी को वोटों की गिनती -राज्य चुनाव आयुक्त

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। राज्य में 12 जिला परिषदों और उनके तहत 125 पंचायत समितियों के आम चुनावों के लिए मतदान 5 फरवरी 2026 को होगा; जबकि वोटों की गिनती 7 फरवरी 2026 को की जाएगी। यह चुनाव कुल 731 जिला परिषदों और 1 हजार 462 पंचायत समिति सीटों के लिए हो रहा है। राज्य चुनाव आयुक्त दिनेश वाघमारे ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में घोषणा की कि इन सभी जिला परिषदों और पंचायत समितियों के क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता लागू कर दी गई है।

राज्य चुनाव आयुक्त वाघमारे यहां सह्याद्री गेस्ट हाउस में जिला परिषदों और पंचायत समितियों के चुनावों का कार्यक्रम घोषित करने के लिए आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे। इस अवसर पर आयोग के सचिव सुरेश काकानी उपस्थित थे। राज्य चुनाव आयुक्त वाघमारे ने कहा कि रायगढ़, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, पुणे, सतारा, सांगली, सोलापुर, कोल्हापुर, छत्रपति संभाजीनगर, परभणी, धाराशिव और लातूर की 12 जिला परिषदों और उनके तहत 125 पंचायत समितियों के लिए चुनाव हो रहे हैं। इस चुनाव के लिए अधिसूचना 16 जनवरी 2026 को प्रकाशित की जाएगी। अधिसूचना प्रकाशित करने की प्रक्रिया संबंधित जिला कलेक्टरों द्वारा अपने-अपने स्तर पर की जाएगी। मतदान 5 फरवरी 2026 को सुबह 7.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक होगा।

संबंधित क्षेत्र में आचार संहिता

चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद से संबंधित जिला परिषदों और पंचायत समितियों के क्षेत्रों में आचार संहिता लागू कर दी गई है। हालांकि यह आचार संहिता संबंधित क्षेत्रों में लागू की गई है, लेकिन अन्य स्थानों पर ऐसे कोई भी घोषणाएं या कार्य नहीं किए जा सकते हैं जो संबंधित जिला परिषदों और पंचायत समितियों के मतदाताओं को प्रभावित करें; हालांकि, प्राकृतिक आपदाओं के मामले में किए जाने वाले उपायों या सहायता के संबंध में आचार संहिता बाधा नहीं बनेगी। 4 नवंबर, 2025 को राज्य चुनाव आयोग द्वारा जारी आदेश के अनुसार आचार संहिता का पालन करना ज़रूरी होगा।

दो वोटों की उम्मीद है।

जिला परिषदों और पंचायत समितियों के चुनाव एक साथ होते हैं। इसलिए, प्रत्येक मतदाता को जिला परिषद निर्वाचन क्षेत्र के लिए एक वोट और पंचायत समिति निर्वाचन क्षेत्र के लिए एक वोट डालना होता है। इसलिए, एक मतदाता से दो वोट डालने की उम्मीद की जाती है।

नामांकन पत्र ऑफलाइन

नगर परिषद और नगर पंचायतों के चुनावों के दौरान, नामांकन पत्र और हलफनामे ऑनलाइन जमा करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई थी; लेकिन विभिन्न राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों की मांग को ध्यान में रखते हुए, इन चुनावों के अंतिम चरण में नामांकन पत्र और हलफनामे पारंपरिक तरीके से, यानी ऑफलाइन स्वीकार किए गए। इसके बाद, नगर निगम चुनावों में भी नामांकन पत्र ऑफलाइन तरीके से स्वीकार किए गए। अब जिला परिषदों और पंचायत समिति के चुनावों में नामांकन पत्र केवल ऑफलाइन तरीके से ही स्वीकार किए जाएंगे।

'जाति वैधता सत्यापन' के संबंध में आरक्षित सीटों पर चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीदवारों को नामांकन पत्र के साथ जाति प्रमाण पत्र और जाति वैधता प्रमाण पत्र जमा करना आवश्यक है; हालांकि, यदि जाति वैधता प्रमाण पत्र संलग्न नहीं है, तो जाति सत्यापन समिति को जाति वैधता प्रमाण पत्र के लिए जमा किए गए आवेदन की प्रमाणित प्रति या ऐसा आवेदन किए जाने का कोई अन्य प्रमाण जमा करना आवश्यक होगा। परिणाम घोषित होने की तारीख से छह महीने के भीतर जाति वैधता प्रमाण पत्र जमा करने में विफल रहने वाले संबंधित उम्मीदवार का चयन पूर्वव्यापी प्रभाव से रद्द कर दिया जाएगा।

मतदान केंद्र और EVM

जिला परिषदों और पंचायत समिति के चुनावों के लिए लगभग 25,482 मतदान केंद्रों की व्यवस्था की गई है। इन चुनावों के लिए पर्याप्त संख्या में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVM) उपलब्ध कराई गई हैं। इनमें से 51,537 कंट्रोल यूनिट और 1,10,329 बैलेट यूनिट उपलब्ध कराई गई हैं।

1 जुलाई, 2025 तक की मतदाता सूची भारत निर्वाचन आयोग द्वारा तैयार की गई विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूचियों का उपयोग स्थानीय निकायों के चुनावों के लिए किया जाता है। संबंधित कानूनों के प्रावधानों के अनुसार, राज्य चुनाव आयोग ने 1 जुलाई 2025 की अधिसूचित तारीख तय की है और उस दिन मौजूद विधानसभा क्षेत्रों की सूचियों को इन चुनावों के लिए जिला परिषद और जिला परिषद डिवीजनों और पंचायत समिति चुनावी डिवीजनों के अनुसार विभाजित किया है। इन सूचियों से नाम हटाने या नए नाम जोड़ने का मामला राज्य चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है; हालांकि, राज्य चुनाव आयोग ने इनमें डुप्लीकेट नामों के बारे में पर्याप्त सावधानी बरती है। संभावित डुप्लीकेट वोटर के नाम के सामने यह चिन्ह बताया गया है।

15 जनवरी को नगर निगम चुनावों के लिए वोटिंग

उद्योगों, प्रतिष्ठानों और फैक्ट्रियों में कर्मचारियों को पूरी सैलरी के साथ छुट्टी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। राज्य में 15 जनवरी, 2026 को 29 नगर निगमों के लिए आम चुनाव हो रहे हैं। उद्योग, ऊर्जा, श्रम और खान विभाग ने एक सर्कुलर जारी किया है जिसमें कहा गया है कि इस दिन उद्योगों, प्रतिष्ठानों और फैक्ट्रियों में काम करने वाले मजदूरों और कर्मचारियों को छुट्टी या छूट देना अनिवार्य कर दिया गया है ताकि मतदाता इस चुनाव में अपने वोट देने के अधिकार का इस्तेमाल कर सकें।

सामान्य प्रशासन विभाग की अधिसूचना में कहा गया है कि यह सार्वजनिक अवकाश केंद्र सरकार के कार्यालयों, अर्ध-सरकारी कार्यालयों, सार्वजनिक उपक्रमों, बैंकों, शैक्षणिक और नगर निगम क्षेत्र में इसी तरह के प्रतिष्ठानों पर भी लागू होगा।

इस सरकारी फैसले के अनुसार, चुनाव क्षेत्र के अंदर और बाहर काम करने वाले सभी मजदूरों, अधिकारियों और कर्मचारियों को वोट देने के लिए छुट्टी देने के आदेश प्रतिष्ठानों को जारी किए गए हैं। ये आदेश उद्योग, ऊर्जा और श्रम विभाग के तहत सभी प्रतिष्ठानों, फैक्ट्रियों, दुकानों, होटलों, आवासों, आईटी कंपनियों, मॉल, शॉपिंग सेंटर, खुदरा विक्रेताओं आदि पर लागू होंगे।

असाधारण परिस्थितियों में, यदि पूरे दिन की छुट्टी देना संभव नहीं है, तो कम से कम तीन घंटे की विशेष सवेतन छुट्टी देना अनिवार्य कर दिया गया है। सरकारी फैसले में संकेत दिया गया है कि यदि इन आदेशों का पालन नहीं किया जाता है तो संबंधित प्रतिष्ठानों के मालिकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जिन नगर पालिकाओं में सार्वजनिक अवकाश लागू हैं, उनमें बृहन्मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, उल्हासनगर, कल्याण-डोंबिवली, भिवंडी-निजामपुर, मीरा-भायंदर, वसई-विरार, पनवेल, नासिक, मालेगांव, अहिल्यानगर, जलगांव, धुले, पुणे, पिंपरी-चिंचवड़, सोलापुर, कोल्हापुर, इचलकरंजी, सांगली-मिराज-कुपवाड़, छत्रपति संभाजीनगर, नांदेड़-वाघाला, परभणी, जालना, लातूर, अमरावती, अकोला, नागपुर और चंद्रपुर शामिल हैं।

श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीद समागम पर श्रमदान

ज़िलाधिकारी ने नांदेड़ में 'हिंद-दी-चादर' कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नांदेड़। गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी दिवस के अवसर पर, नांदेड़ के असरजन इलाके में लोक निर्माण विभाग के मोदी मैदान में 24 और 25 जनवरी, 2026 को एक भव्य धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

चूंकि कार्यक्रम के दौरान मैदान में गुरुद्वारे (दरबार साहिब) की प्रतिकृति होगी, इसलिए श्रद्धालुओं को बिना चप्पल या जूते पहने नंगे पैर प्रवेश करना होगा। इसलिए, श्रद्धालुओं को चलने में कोई दिक्कत न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए ज़िलाधिकारी राहुल कार्डिले की उपस्थिति में एक विशेष श्रमदान गतिविधि आयोजित की गई।

इस श्रमदान में नांदेड़ ज़िले के 1,500 छात्र, अकादमी के 500 छात्र, नगर निगम के कर्मचारी और विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। श्रमदान के माध्यम से मैदान से कंकड़-पत्थर हटाकर इलाके की सफाई की गई।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के विशेष कर्तव्य अधिकारी रामेश्वर नाइक, क्षेत्रीय धार्मिक जागरण समिति के प्रमुख महेंद्रजी रायचुरा, ज़िला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक अमोल इंगले, तहसीलदार आनंद देउलगांवकर, शिक्षा अधिकारी माधव सालगर, रेड क्रॉस के हर्षद शाह, नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त नीलेश सुनकेवार, उप शिक्षा अधिकारी रामचंद्र पांचगे आदि उपस्थित थे।

खालसा हाई स्कूल, राजर्षि पब्लिक स्कूल, नागार्जुन हाई स्कूल, सचखंड पब्लिक स्कूल के छात्रों के साथ-साथ प्री-पुलिस भर्ती प्रशिक्षण ले रहे छात्रों, विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों, सोल्जर अकादमी, टोटेवाड फिजिकल अकादमी, नांदेड़ फिजिकल और गरुड़ फिजिकल अकादमी के छात्रों ने बड़ी संख्या में इस श्रमदान में भाग लिया।

इस श्रमदान के माध्यम से गुरु के प्रति सेवा, समर्पण और प्रेम का अनुभव किया गया। चूंकि नांदेड़ सिख धर्म का एक महत्वपूर्ण स्थान है, इसलिए इस शहीदी समागम कार्यक्रम का विशेष महत्व है। इस कार्यक्रम में अलग-अलग धर्मों और समुदायों के श्रद्धालु हिस्सा लेंगे। नांदेड़ में जिला कलेक्टर राहुल कार्डिले ने सभी से बड़ी संख्या में कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की।

कांदिवली-बोरीवली सेक्शन पर छठी लाइन के कार्य के संबंध में पश्चिम रेलवे का मेजर ब्लॉक

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा कांदिवली और बोरीवली सेक्शन के बीच छठी लाइन के निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए 20/21 दिसंबर, 2025 की रात से 30 दिनों का ब्लॉक लिया जा रहा है, जो 18 जनवरी, 2026 तक जारी रहेगा। इस ब्लॉक के कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेन सेवाएं प्रभावित होंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, उपर्युक्त कार्य के संबंध में 15/16 जनवरी, 2026 की रात्रि में एक मेजर ब्लॉक लिया जाएगा। इस दौरान कांदिवली और मालाड के बीच प्वाइंट 101 के डिस्मेंटलिंग का कार्य किया जाएगा। यह ब्लॉक अप एवं डाउन फास्ट लाइन पर 01:00 बजे से 06:30 बजे तक तथा अप स्लो लाइन पर 01:00 बजे से 04:00 बजे तक रहेगा।

उपर्युक्त ब्लॉक, पाँचवीं लाइन के निलंबन तथा लगाए गए गति प्रतिबंध के कारण कुछ उपनगरीय सेवाएं निरस्त रहेंगी, जबकि अप फास्ट लाइन की कुछ मेल/एक्सप्रेस ट्रेनें प्रभावित होंगी।

शॉर्ट टर्मिनेट होने वाली ट्रेनें:

1.15 जनवरी, 2026 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19426 नंदुरबार-बोरीवली एक्सप्रेस वसई रोड पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी।

2.15 जनवरी, 2026 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19418 अहमदाबाद-बोरीवली एक्सप्रेस वसई रोड पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी।

शॉर्ट ओरिजिनेट होने वाली ट्रेनें:

1.16 जनवरी, 2026 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19425 बोरीवली-नंदुरबार एक्सप्रेस वसई रोड से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी।

2.16 जनवरी, 2026 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19417 बोरीवली-अहमदाबाद एक्सप्रेस वसई रोड से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी।

री-शेड्यूल होने वाली ट्रेनें:

1. 16 जनवरी, 2026 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22444 बांद्रा टर्मिनस-कानपुर एक्सप्रेस , 1 घंटा री-शेड्यूल होगी, अर्थात यह ट्रेन 06:10 बजे प्रस्थान करेगी।

2. 16 जनवरी, 2026 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22953 मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद 50 मिनट री-शेड्यूल होगी, अर्थात यह ट्रेन 06:30 बजे प्रस्थान करेगी।

3.15 जनवरी, 2026 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12902 अहमदाबाद-दादर एक्सप्रेस 45 मिनट री-शेड्यूल होगी, अर्थात यह ट्रेन 23:35 बजे प्रस्थान करेगी।

4.15 जनवरी, 2026 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19218 वेरावल-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस 45 मिनट री-शेड्यूल होगी, अर्थात यह ट्रेन वेरावल से 12:35 बजे प्रस्थान करेगी।

ब्लॉक के कारण प्रभावित होने वाली उपनगरीय ट्रेनों की विस्तृत सूची अनुलग्नक-ए में दी गई है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी संबंधित स्टेशन मास्टरों के पास उपलब्ध है। यात्रियों से अनुरोध है कि उपर्युक्त परिवर्तनों को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

पश्चिम रेलवे द्वारा बांद्रा टर्मिनस एवं भुज के बीच स्पेशल ट्रेन के फेरे विस्तारित

मुंबई(संवाददाता) । पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से विशेष किराये पर चलने वाली बांद्रा टर्मिनस-भुज द्विसाप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के फेरों को विस्तारित किया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन संख्या 09037 बांद्रा टर्मिनस-भुज स्पेशल को 29 जनवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09038 भुज-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल को 30 जनवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है। ट्रेन संख्या 09037 एवं 09038 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 14 जनवरी, 2026 से सभी PRS काउंटरों तथा IRCTC की वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव समय तथा संरचना से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

शुक्र/शनि को कांदिवली नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य हेतु प्रस्तावित यातायात प्रभावों का निरस्तीकरण

मुंबई(संवाददाता) ।प्रस्तावित कांदिवली नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के संबंध में पूर्व में यह सूचित किया गया था कि 16/17 जनवरी, 2026 की रात्रि में निर्धारित इस कार्य के कारण कुछ ट्रेनों को रीशेड्यूल किया जाएगा। यह सूचित किया जाता है कि उक्त कार्य निर्धारित समय से पहले ही पूर्ण कर लिया गया है। अतः 16/17 जनवरी, 2026 को मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के परिचालन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। 1.17 जनवरी, 2026 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 02200 बांद्रा टर्मिनस-झांसी एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय 05:10 बजे प्रस्थान करेगी। 2.17 जनवरी, 2026 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22953 मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय 05:40 बजे प्रस्थान करेगी। 16/17 जनवरी, 2026 को चलने वाली अन्य सभी ट्रेनें अपने पूर्व निर्धारित समयानुसार ही चलेंगी।

नवी मुंबई महानगरपालिका के आम चुनाव के अवसर पर मतदाताओं को मतदान केंद्र पर अपनी पहचान सिद्ध करने के लिए फोटोयुक्त मतदाता पहचान पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य

राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदान के लिए आने वाले प्रत्येक मतदाता को अपनी पहचान का प्रमाण दिखाना होगा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नवी मुंबई महानगरपालिका के आयुक्त एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. कैलाश शिंदे ने जानकारी दी है कि जिन मतदाताओं के पास फोटोयुक्त मतदाता पहचान पत्र उपलब्ध नहीं है, वे अपनी पहचान सिद्ध करने के लिए वैकल्पिक रूप से अन्य मान्य दस्तावेज प्रस्तुत कर सकते हैं।

इन वैकल्पिक पहचान पत्रों में भारतीय पासपोर्ट, आधार पहचान पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, आयकर विभाग द्वारा जारी पैन कार्ड, केंद्र या राज्य सरकार अथवा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा कर्मचारियों को जारी फोटोयुक्त पहचान पत्र, राष्ट्रीयकृत बैंक या डाकघर द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी फोटोयुक्त दिव्यांग प्रमाण पत्र, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत जारी फोटोयुक्त जॉब कार्ड, सेवानिवृत्त कर्मचारियों अथवा उनके आश्रितों को जारी फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, संसद या विधानमंडल के सदस्यों को जारी आधिकारिक पहचान पत्र, स्वतंत्रता सेनानियों को जारी फोटोयुक्त पहचान पत्र तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी फोटोयुक्त स्वास्थ्य बीमा योजना कार्ड शामिल हैं।

हालाँकि, सभी मतदाताओं को यह सलाह दी जाती है कि वे प्राथमिकता के तौर पर अपना फोटोयुक्त मतदाता पहचान पत्र ही साथ लेकर आएँ। मतदान के दौरान किसी अन्य व्यक्ति का रूप धारण कर मतदान करने वालों के विरुद्ध राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करने में सुविधा हो, इसके लिए नवी मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र के सभी प्रतिष्ठानों, उद्योगों, दुकानों और व्यापारिक संस्थानों से अपील की गई है कि वे अपने कर्मचारियों को मतदान के लिए अवकाश प्रदान करें।

नवी मुंबई महानगरपालिका की ओर से सभी पात्र मतदाताओं से आग्रह किया गया है कि वे अपने संवैधानिक अधिकार का उपयोग करते हुए मतदान अवश्य करें और शहर के विकास में सहभागी बनें।

दोनों ठाकरे निवेश और रोजगार के दुश्मन, जनता देगी करारा जवाब : आशीष शेलार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। महाराष्ट्र में जब भी कोई निवेशक आता है, तब आंदोलन और विरोध की राजनीति शुरू कर दी जाती है। संस्कृति की रक्षा की दुहाई देने वाले यह भूल जाते हैं कि मराठी और महाराष्ट्र के युवाओं को रोज़गार भी चाहिए। लेकिन राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे दोनों ही उद्योग-विरोधी, निवेश-विरोधी और सीधे तौर पर युवा-विरोधी हैं। मुंबईकर और महाराष्ट्र की जनता उन्हें उनकी जगह ज़रूर दिखाएगी, यह तीखा हमला महाराष्ट्र सरकार में मंत्री आशीष शेलार ने किया।

मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे द्वारा पुणे में आयोजित पत्रकार परिषद के जवाब में मुंबई में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में मंत्री शेलार ने कहा कि कई बार नेता अपने ही सलाहकारों के कारण संकट में पड़ जाते हैं। अधूरी जानकारी और गलत ब्रीफिंग के आधार पर दिए गए बयान बाद में सफ़ाई मांगते हैं और आज यही स्थिति राज ठाकरे की हो गई है।

शेलार ने स्पष्ट किया कि भारतीय जनता पार्टी किसी भी उद्योग समूह की प्रवक्ता नहीं है। जो निवेश नियमों और क़ानून के दायरे में आता है, उसका स्वागत किया जाता है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र में आए निवेश का पूरा लेखा-जोखा सार्वजनिक रूप से रखा है।

अडानी समूह को लेकर उठाए गए आरोपों पर शेलार ने कहा कि अडानी समूह की शुरुआत 1988 में हुई थी और वह पिछले 36-37 वर्षों से कार्यरत है। 'दस वर्षों में वृद्धि' का दावा तथ्यहीन है, जो केवल सलाहकारों की गलत जानकारी का परिणाम है।

उन्होंने कहा कि यदि किसी को एकाधिकार या अनुचित प्रतिस्पर्धा पर आपत्ति है तो उसके लिए भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग जैसी संवैधानिक संस्था मौजूद है। केवल मंचों से आरोप लगाना आसान है, लेकिन क़ानूनी रास्ते पर जाना ज़िम्मेदारी की निशानी होती है। मंत्री शेलार ने यह भी कहा कि जिन परियोजनाओं को लेकर सरकार पर आरोप लगाए जा रहे हैं, उनमें से कई एनसीएलटी जैसी न्यायिक प्रक्रिया से होकर आई हैं। ऐसे में न्यायिक निर्णयों पर राजनीति करना गैर-जिम्मेदाराना है।

उन्होंने दोनों ठाकरे भाइयों पर आरोप लगाया कि उन्होंने लगातार महाराष्ट्र के बड़े विकास और रोजगार देने वाले प्रकल्पों का विरोध किया है। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना से 90 हज़ार रोजगार, नाणार-बारसू रिफाइनरी से 1.5 लाख रोजगार, जैतापुर परमाणु ऊर्जा परियोजना से 25 हज़ार रोजगार, मुंबई मेट्रो से 3 लाख रोजगार और वाढवण पोर्ट से 10 लाख रोजगार की संभावनाओं के बावजूद इन सभी प्रकल्पों का विरोध किया गया।

पश्चिम रेलवे

विभिन्न मरम्मत कार्य

सीनियर डिविजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर (कोचिंग), मुंबई सेंट्रल, मुंबई-400008, नीचे दिए गए अनुसार ई-टेंडर आमंत्रित करते हैं

अ. क्र.	निविदा सूचना संख्या और दिनांक	कार्य का नाम	काम की अनुमानित लागत (रुपये में)	ईएमडी	पूरा होने की अवधि
1	WR- MMCT0ECOA (ECTD)/ 62/2025 O/o SRDEE/CHG/MMCT/W (Computer No. 686743)	पावर कारों के 3 फेज़ 750V 500 KVA अल्टरनेटर की मरम्मत, रिवाइंडिंग, रिकंडीशनिंग और ओवरहॉलिंग।	21,87,550.50	43,800/-	120 days
2	WR-MMCT0ECOA (ECTD)/71/2025 O/o SRDEE/CHG/MMCT/W (Computer No. 698699)	खराब फोर्कलिफ्ट पार्ट्स की मरम्मत, रिप्लेसमेंट, कमीशनिंग और टेस्टिंग।	4,22,069.24	8,500/-	45 days
3	WR-MMCT0ECOA (ECTD)/37/2025 O/o SRDEE/CHG/MMCT/W (Computer No. 668110)	नंदुरबार स्टेशन पर भुसावल एंड FOB के पास PF2 और PF3 के बीच कोच चार्जिंग के लिए 110V DC बैटरी चार्जर की सप्लाई, इंस्टॉलेशन, कमीशनिंग और टेस्टिंग।	4,89,700.00	9,800/-	45 days

ऊपर दिए गए सभी टेंडरों के लिए, सबमिशन की तारीख और समयः 06.02.2026 तक, 15:00 बजे। खोलने की तारीख और समयः 06.02.2026 को 15:30 बजे। ज़्यादा जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। 1002

Like us on : facebook.com/WesternRly Follows us on : twitter.com/WesternRly

मध्य रेल

ओएचई संशोधन कार्य

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं के लिये सिनियर मंडल बिजली इंजीनियर (गतिशक्ती युनिट) 3 रा तल, ओल्ड एरिया मैनेजर की इमारत, पी.डी'मेलो रोड, वाड़ीबंदर, मुंबई - 400010 द्वारा प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निविदा (सिंगल पैकेट सिस्टम मे) www.ireps.gov.in वैबसाइट के माध्यम से निम्नलिखित कार्यों के लिए ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है। व्यक्तिगत रूप से प्रस्तुत निविदा स्वीकार नहीं कि जायेगी। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि **13.02.2026** और समय 15:00 बजे तक है। निविदा उसी दिन 15:15 बजे के बाद खोली जाएगी। **ई-निविदा सं: बीबी.ईल.जीएसयू. ओएचई.2025-26/3R2, दिनांक: 12.01.2026. कार्य विवरण:** मध्य रेलवे के मुंबई मंडल में तलोजा पंचानंद गुड्स शेड में रेल स्तर की अतिरिक्त पूर्ण लंबाई वाली गुड्स हैंडलिंग लाइन के प्रावधान के संबंध में 25 केवी, एसी ओएचई संशोधन कार्य की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग का **कार्य। लगभग मूल्य**: रु. 88.22 लाख। **बोली प्रतिभूति (Bid Security)**: रु.1,76,400/-. **ऑफर की वैधता**: 60 दिन। **समापन की अवधि**: 12 महिने (मॉन्सून सहित)। निविदा का पूरा विवरण भारतीय रेल के कार्यालय के वैबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। पूर्ण निविदा दस्तावेज उपरोक्त वैबसाइट से डाउन लोड किया जा सकता है। AK-824

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

मध्य रेल

सोलापुर मंडल

सिग्नलिंग कार्य

भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके लिए, सहायक मंडल सिगनल एवं दूरसंचार इंजिनियर (निर्माण), सोलापुर, मध्य रेल द्वारा ऑन लाइन खुली निविदाए पात्र निविदाकर्ता की ओर से निम्न लिखित कार्य के लिए आमंत्रित की जाती है। **निविदा सूचना संख्या- एसयूआर-एनसी-सीआर-एसएनटी-सी-एस-01-2026 दिनांक 10.01.2026. कार्य का नाम** : "मध्य रेल के पुणे मंडल में 5 स्टैकलिंग लाइन की व्यवस्था के संबंध में साईनगर शिरडी स्टेशन पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग की कमस्या एवं इनडोअर तथा आउटडोअर उपकरणों की सप्लाई इनस्यलेशन, टेस्टिंग एवं कमिशनिंग करना ।" **कार्य की अनुमानित लागत**: ₹ 13,89,15,238.08 (तेरह करोड़ उनासी लाख पंद्रह हजार दो सौ अड़तीस और आठ पैसे मात्र) **निविदा फार्म/बुकलेट की कीमत**: ₹ 0.00/- **बयाना राशि**: ₹ 8,44,600/- (रु. आठ लाख चौवालीस हजार छह सौ मात्र) **कार्य पुरा करने की अवधि**: एलओए जारी करने की तारीख से 08 महीने (आठ महीने)। जिसमें मानसून और फसल की अवधि शामिल है। **निविदा जमा करने की प्रारंभ तिथि: दिनांक: 20.01.2026. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि और समय:दिनांक: 03.02.2026 के 15:00 तक। निविदा बंद करने की तिथि और समय: दिनांक: 03.02.2026 के 15:00 बजे ।** वेबसाईट विवरण जहां से निविदा सुचना के बारे में पूर्ण जानकारी आप प्राप्त कर सकते है: **www.ireps.gov.in**

Akar/Sur-1 सहायक मंडल सिग्नल व दूर संचार इंजीनियर (निर्माण) म.रे. सोलापुर

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

अमित साटम का राज ठाकरे पर सीधा हमला

‘हिम्मत है तो अपने पोते को मराठी स्कूल में दाखिला कराइए’

‘मराठी युवाओं के नाम पर ढोंग, हकीकत में वडापाव की गाड़ी तक सीमित रखा’ - ठाकरे राजनीति पर करारा प्रहार

मुंबई। मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे की आज की पत्रकार परिषद को राजनीतिक नौटंकी करार देते हुए भारतीय जनता पार्टी, मुंबई अध्यक्ष माननीय श्री अमित साटम ने दादर स्थित वसंत स्मृति कार्यालय में आयोजित पत्रकार परिषद में ठाकरे बंधुओं पर तीखा और बेबाक हमला बोला।

अमित साटम ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज पार्क में हुई महासभा के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने जिस तरह ठाकरे बंधुओं के दोहरे चेहरे को बेनकाब किया, उससे बौखलाकर राज ठाकरे आज सफाई देने मीडिया के सामने आए हैं। ‘उद्योगों का विरोध नहीं, लेकिन उद्योगपतियों से आपत्ति’ जैसे बयान जनता को गुमराह करने का प्रयास हैं।

उन्होंने कहा, ‘अगर किसी उद्योगपति की तेज़ प्रगति से इतनी ही समस्या है, तो ठाकरे बंधु पहले यह बताएं कि महाराष्ट्र में निवेशक आखिर उनसे दूर क्यों भागे। भाजपा सरकार ने मराठी युवाओं को नौकरी मांगने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला बनाने की नीति पर काम किया है। इसके उलट ठाकरे बंधुओं ने मराठी युवाओं को उद्योग के नाम पर वडापाव की गाड़ी, ऑटो और खोमचे तक सीमित रखा।’

अमित साटम ने शिव उद्योग सेना पर

सवाल उठाते हुए कहा, ‘1997 में शिव उद्योग सेना बनाई गई, बड़े-बड़े दावे किए गए, फंड जमा किए गए, लेकिन एक भी उदाहरण सामने नहीं आता कि कितने मराठी युवाओं को वास्तविक उद्योग मिले। आज जो लोग उद्योगपतियों को टार्गेट कर रहे हैं, वे पहले अपने राजनीतिक और आर्थिक विस्तार का हिसाब दें।’

उन्होंने आगे कहा, ‘एक उद्योगपति पर उंगली उठाने वाले राज ठाकरे यह भी स्पष्ट करें कि कोहिनूर मिल की जमीन पर बने कोहिनूर मॉल से कितने मराठी युवाओं को स्थायी रोजगार मिला। अपनी एक्सपोनेंशियल ग्रोथ पर कभी एक शब्द नहीं बोलते, लेकिन दूसरों की सफलता उन्हें खटकती है।’

मराठी भाषा के मुद्दे पर सीधा वार करते हुए अमित साटम ने कहा, ‘मराठी की अनिवार्यता की राजनीति करने वालों ने अपने बच्चों को मराठी स्कूल में पढ़ाने की जहमत नहीं उठाई। बॉम्बे स्कॉटिश स्कूल, विदेशी भाषाएं और एसी कमरों में बैठकर मराठी अस्मिता का ठेका लेना पूरी तरह से पाखंड है। अगर सच में मराठी प्रेम है, तो राज ठाकरे अपने पोते का दाखिला किसी मराठी माध्यम के स्कूल, जैसे बालमोहन विद्यामंदिर में कराकर दिखाएं - यही मेरी खुली चुनौती है।’

अडानी मुद्दे पर बोलते हुए अमित साटम ने कहा, ‘अगर अडानी गलत हैं, तो ठाकरे बंधुओं ने उनसे गले क्यों मिले? उन्हें अपने घर क्यों बुलाया? अडानी कोई नई कंपनी नहीं है। राजनीतिक फायदे के लिए किसी एक को चुनकर टार्गेट करना बेहद घटिया राजनीति का उदाहरण है।’

उन्होंने आगे कहा, ‘भ्रष्टाचार पर बोलने से पहले ठाकरे बंधु यह बताएं कि 25 वर्षों तक मुंबई महानगरपालिका में रहकर उन्होंने कैसे सत्ता और पैसे का दुरुपयोग किया। 2019 के बाद उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र की राजनीति को जिस स्तर पर गिराया, उसे प्रदेश की जनता कभी माफ़ नहीं करेगी।’

अमित साटम ने अंत में कहा, ‘महाराष्ट्र को विकास चाहिए, निवेश चाहिए और मराठी युवाओं को वास्तविक अवसर चाहिए – खोखले भाषण और राजनीतिक ड्रामे नहीं।’

मुझे यह पसंद नहीं, बीएमसी चुनावों के बीच सांप्रदायिक टिप्पणियों पर अजित पवार ने जताई चिंता

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने मंगलवार को बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों को सांप्रदायिक रंग दिए जाने की कड़ी निंदा की। उन्होंने अपने धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण को दोहराते हुए कहा कि भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में हर कोई समान रूप से नागरिक है। अजीत पवार ने एएनआई को दिए एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं है। मैं धर्मनिरपेक्ष हूं। अंबेडकर की विचारधारा हमें यह नहीं सिखाती। मुझे बस इतना कहना है कि हमारा देश इतना बड़ा है और इस देश में रहने वाले सभी लोग भारतीय हैं। अगर कोई देशद्रोह कर रहा है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए और उसे मौत की सजा दी जानी चाहिए, इसके लिए एक नया कानून बनाया जाना चाहिए।

बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की विचारधारा का हवाला देते हुए पवार ने कहा कि सभी को अपना काम दिखाने और करने का अवसर मिलना चाहिए। बाबासाहेब अंबेडकर ने संविधान में यही बात कही है और अन्य लोगों ने भी यही कहा है। पवार का यह बयान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के उस बयान के एक दिन बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि नए बीएमसी मेयर ‘महायुति समुदाय से होंगे, हिंदू होंगे और मराठी होंगे। मराठी मानुष को खतरे में होने के विपक्ष के दावों का खंडन करते हुए फडणवीस ने कहा कि मराठी समुदाय नहीं, बल्कि कुछ राजनीतिक ताकतें हैं जिनका अस्तित्व खतरे में है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि महाराष्ट्र सभी मराठी लोगों का है, किसी एक समूह का नहीं।

फडणवीस ने कहा कि मराठी लोगों का अस्तित्व खतरे में नहीं है। आपका अस्तित्व खतरे में है। मैं फिर से कहना चाहता हूं कि आप पूरा महाराष्ट्र नहीं हैं। आप यहां अकेले मराठी नहीं हैं। मैं दोहराना चाहता हूं कि बीएमसी में केवल मराठी व्यक्ति ही सत्ता में होंगे। केवल मराठी ही नेतृत्व करेंगे। एआईएमआईएम नेताओं ने भी इन बयानों का जवाब दिया है, पार्टी प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि एक दिन हिजाब पहनने वाली बेटी भारत की प्रधानमंत्री बनेगी। भाजपा नेता नीतीश राणे ने इस बयान की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि ऐसी स्थिति में एक ‘हिंदू राष्ट्र’ एक ‘इस्लामी राज्य’ बन जाएगा।

’ठाकरे नहीं, बीजेपी से खतरे में मराठी मानुष’, देवेंद्र फडणवीस पर संजय राउत का सीधा अटैक

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने मंगलवार को ठाकरे बंधुओं के खिलाफ देवेंद्र फडणवीस की ’अस्तित्व खतरे में’ वाली टिप्पणी पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री को अपनी चिंता करनी चाहिए क्योंकि ठाकरे परिवार अपने खिलाफ धमकियों का सामना करने में सक्षम है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि फडणवीस द्वारा ठाकरे बंधुओं द्वारा मराठी ’मानुषों’ के लिए किए गए कार्यों पर सवाल उठाना वास्तव में शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे को चुनौती देना था।

राउत ने कहा कि देवेंद्र भाऊ, हमारी चिंता मत कीजिए। ठाकरे परिवार अपने खिलाफ धमकियों का सामना करने में सक्षम है। हम आपकी तरह डरे हुए नहीं हैं। हम चुनाव जीतने के लिए फर्जी मतदाता सूची नहीं बनाते। हम आपकी तरह पैसा नहीं बांटते। आप अपनी चिंता कीजिए। यूबीटी शिवसेना सांसद ने फडणवीस पर हमला करते हुए कहा कि महाराष्ट्र में ’भूमिपुत्र’ का मुद्दा पिछले 60 वर्षों से प्रासंगिक बना हुआ है। राउत ने आगे कहा कि अगर बाल ठाकरे न होते, जिन्होंने पार्टी को मजबूती दी, तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की परवाह कोई नहीं करता। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा के कारण मराठी ’मानुष’ खतरे में है।

राउत ने कहा कि महाराष्ट्र में यह मुद्दा 60 वर्षों से चल रहा है। यह ठाकरे बंधुओं के बारे में नहीं है। वह हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे को चुनौती दे रहे हैं। बालासाहेब ने आपकी पार्टी को मजबूत किया, और आप उन्हें चुनौती दे रहे हैं? वरना, किसी को आपकी परवाह नहीं थी। आपके पास दो ऐसे नेता नहीं थे जिनके पोस्टर आप मुंबई और महाराष्ट्र में लगा सकें। अगर किसी मराठी व्यक्ति को खतरा है, तो वह भाजपा की वजह से है। इसीलिए हमारी सीधी टक्कर भाजपा से है।

इससे पहले, फडणवीस और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुंबई के शिवाजी पार्क में एक संयुक्त रैली की, जिसमें उन्होंने ठाकरे बंधुओं पर तीखा हमला बोला। मुख्यमंत्री ने ठाकरे बंधुओं से पिछले कुछ दशकों में मराठी ’मानुष’ के लिए उनके द्वारा किए गए कार्यों के बारे में सवाल किया। फडणवीस ने कहा कि अगर मराठी मनुष्य खतरे में है, तो आप पिछले 30 वर्षों से क्या कर रहे हैं? साथ ही यह भी बताया कि मराठी मनुष्य का अस्तित्व खतरे में नहीं है, बल्कि ठाकरे बंधुओं का अस्तित्व खतरे में है। फडनाविस ने यह भी दावा किया कि बीएमसी के नए मेयर ’महायुति समुदाय से होंगे, हिंदू होंगे और मराठी होंगे।’

मध्य रेल ने अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार 2025 में 5 शील्ड जीतने वाली अपनी पुरस्कार विजेता टीमों का स्वागत किया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल ने नई दिल्ली में आयोजित प्रतिष्ठित 70वें अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार (एवीआरएसपी) समारोह-2025 में पांच विभागीय शील्ड हासिल करने वाली अपनी पुरस्कार विजेता टीमों का अभिनंदन किया।

विवेक कुमार गुप्ता, महाप्रबंधक, मध्य रेल, प्रधान विभागाध्यक्षों (पीएचओडी) और वरिष्ठ अधिकारियों की टीम के साथ, 13 जनवरी 2026 को मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) स्थित ‘चिंतन’ सम्मेलन हॉल में आयोजित एक विशेष समारोह में पांच शील्ड प्रदर्शित करने पर जोरदार तालियों से सम्मानित हुए। इससे पहले, 9 जनवरी 2026 को नई दिल्ली के द्वारका स्थित यशोभूमि स्थित इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर में आयोजित 70वें अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार (एवीआरएसपी) समारोह-2025 के दौरान, मध्य रेल के महाप्रबंधक और उनके संबंधित विभागाध्यक्षों को माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव द्वारा इन सम्मानों से सम्मानित किया गया।

मध्य रेल को प्राप्त शील्ड्स इस प्रकार हैं:

स्टोर्स शील्ड,

ब्रिज मेंटेनेंस शील्ड,

सिविल इंजीनियरिंग कंस्ट्रक्शन शील्ड (संयुक्त रूप से),

सिविल इंजीनियरिंग शील्ड (संयुक्त रूप से) और

सिग्नल एफिशिएंसी शील्ड (संयुक्त रूप से)

इस अवसर पर सम्बोधित करते हुए, महाप्रबंधक ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि का श्रेय मध्य रेल के अधिकारियों और कर्मचारियों के समर्पित प्रयासों, टीम वर्क और अटूट प्रतिबद्धता को दिया, जिसके कारण संगठन उत्कृष्टता प्रदान करने और उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने में सक्षम हुआ।

यह अवसर पूरे मध्य रेल परिवार के लिए गर्व और प्रेरणा का क्षण था, जिसने उत्कृष्टता, नवाचार और टीम वर्क के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ किया। मध्य रेल परिचालन दक्षता, सुरक्षा मानकों और यात्री संतुष्टि को और बेहतर बनाने तथा भारतीय रेलवे के विकास और आधुनिकीकरण में महत्वपूर्ण योगदान जारी रखने के अपने संकल्प पर अडिग है।

हिंदू त्योहारों के दौरान गड़बड़ी की तो...मंत्री नितेश राणे ने दी सीधी चेतावनी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के मंत्री और भाजपा नेता नितेश राणे ने चेतावनी दी है कि हिंदू त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी करने की कोशिश करने वाले को कड़ी सजा भुगतनी पड़ेगी। वसई नगर निगम के लिए एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी हिंदू समुदाय का पूरा समर्थन करेगी। कोई भी हिंदू समुदाय को बुरी नजर से नहीं देख सकता। हम पूरी ताकत से आपके साथ खड़े रहेंगे। अगर कोई हिंदू त्योहार के दौरान गड़बड़ी करने की कोशिश करता है, तो वह शुक्रवार को घर भी नहीं लौट पाएगा, इसकी मैं गारंटी देता हूं। कोई भी आपको बुरी नजर से नहीं देख सकता। हम मजबूती से आपके साथ खड़े रहेंगे।

राणे ने कहा कि राज्य सरकार, मुख्यमंत्री और नगर महापौर हिंदुत्ववादी मानसिकता का पालन करते हैं। उन्होंने हिंदू एकता का आह्वान किया और कहा कि शहर में केवल हिंदू परंपराओं का समर्थन करने वाले ही दिखाई देने चाहिए, बाकी सभी को शहर छोड़ देना चाहिए। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार, हमारे मुख्यमंत्री और यहां तक ??कि नगर महापौर भी हिंदुत्ववादी मानसिकता रखते हैं। हमें ’आई लव

महादेव’ मनाना चाहिए। हमारे शहर में केवल ’जय श्री राम’ का जाप करने वाले ही दिखाई देने चाहिए। बाकी, जो ’आई लव मोहम्मद’ का दावा करते हैं, उन्हें पाकिस्तान में उनके पिता के पास भेज देना चाहिए। हमें उन्हें यहां से निकालना होगा। इसलिए, आपको हिंदू समुदाय के रूप में एकजुट रहना चाहिए।

इससे पहले, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के प्रमुख राज ठाकरे ने आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में नामांकन वापस लेने के लिए मतदाताओं और विपक्षी उम्मीदवारों को रिश्वत देने के गंभीर आरोप सत्तारूढ़ महायुति पर लगाए थे। यहां शिवसेना (यूबीटी) नेताओं के साथ एक संयुक्त रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि 66 वार्डों में उम्मीदवारों को नामांकन पत्र वापस लेने के लिए पैसे की पेशकश की गई है। उन्होंने आगे कहा कि विकास के दावों के बावजूद मतदाताओं को पैसे की पेशकश की जा रही है।

महाराष्ट्र में 4 दिनों तक बंद रहेंगी शराब की दुकानें, नोट कर लें ड्राई डे की तारीख

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र में आगामी महानगरपालिका चुनावों के मद्देनजर प्रदेश में चार दिनों के लिए ड्राई डे घोषित किया गया है. 13 से 16 जनवरी तक 29 नगर निगम क्षेत्रों में ड्राइ डे रहेगा. इस दौरान शराब की बिक्री, खरीद और सेवन पर पूरी तरह रोक रहेगी. बार से लेकर शराब की दुकानें बंद रहेंगी. नियमों का उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई होगी. इस कदम का मुख्य मकसद शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करना है।

महाराष्ट्र में 13 जनवरी से 16 जनवरी तक ड्राई डे

महाराष्ट्र में आगामी महानगरपालिका चुनाव को लेकर प्रचार अभियान 13 जनवरी को खत्म होगा. पार्टियों और उम्मीदवारों की सार्वजनिक रैलियां और राजनीतिक गतिविधियां खत्म हो जाएंगी. ड्राई पीरियड 13 जनवरी को चुनाव प्रचार खत्म होने के साथ शुरू होगा. अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि 13 जनवरी से 16 जनवरी तक ड्राई डे का मकसद कानून-व्यवस्था बनाए रखना, शांतिपूर्ण चुनाव प्रचार सुनिश्चित करना और निष्पक्ष चुनाव करवाना है।

बार और शराब बेचने वाली सभी दुकानें रहेंगी बंद

प्रशासन ने कहा है कि तय महानगरपालिका की सीमाओं के अंदर पूरे चार दिनों तक शराब की दुकानें, बार, परमिट रूम और शराब बेचने वाली सभी दुकानें बंद रहेंगी. अधिकारियों ने नागरिकों, वोटर्स और व्यापारियों से इस फैसले का समर्थन करने और लगाई गई पाबंदियों का पालन करने की अपील की है. एक अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया, ’ड्राई डे चुनावों के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने और सुचारू मतदान प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए रणनीति का हिस्सा है।’

राज ठाकरे ने महायुति पर साधा निशाना

उम्मीदवारों को पैसे देकर हटाने की हो रही कोशिश

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के प्रमुख राज ठाकरे ने आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में नामांकन वापस लेने के लिए मतदाताओं और विपक्षी उम्मीदवारों को रिश्वत देने के आरोप में सत्तारूढ़ महायुति पर गंभीर आरोप लगाए हैं। शिवसेना (यूबीटी) के नेताओं के साथ एक संयुक्त रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि 66 वार्डों में उम्मीदवारों को नामांकन वापस लेने के लिए पैसे की पेशकश की गई है। उन्होंने आगे कहा कि विकास के दावों के बावजूद मतदाताओं को पैसे दिए जा रहे हैं।

राज ठाकरे ने कहा कि भाजपा के लोग पैसे बांट रहे हैं और शिंदे के लोग उन्हें पकड़ रहे हैं। पता नहीं क्या हो रहा है। मैंने कल्याण-डोम्बिवली और अन्य मतदान क्षेत्रों का दौरा किया। वे प्रति वोट 5,000 रुपये बांट रहे हैं। मेरी समझ से परे है। एक तरफ तो वे विकास के लिए काम करने का दावा करते हैं, वहीं दूसरी तरफ वे पैसे लेकर वोट मांगते हैं। फिर किस विकास की बात कर रहे हैं? उन्होंने आगे कहा, मुझे पैसे देने वालों से ज्यादा पैसे लेने वालों की चिंता है। हम अपने बच्चों को क्या सिखा रहे हैं? क्या हमारे माता-पिता ने अपने वोट बेच दिए थे?

एमएनएस प्रमुख ने दावा किया कि सोलापुर में नगर निकाय चुनाव में नामांकन वापस लेने को लेकर हुए विवाद में उनकी पार्टी के एक पदाधिकारी की हत्या कर दी गई। राज ने कहा कि महाराष्ट्र के 66 वार्डों में उम्मीदवारों को पैसे दिए गए ताकि वे अपने नामांकन पत्र वापस ले लें। नासिक में, मैंने अपने भाषण में इसका जिक्र किया था। उस समय जांच के दौरान उन्होंने ए और बी फॉर्म वापस ले लिए थे। सोलापुर में, नामांकन वापस लेने को लेकर हुए झगड़े में हमारे एक पदाधिकारी की हत्या कर दी गई। आखिर हो क्या रहा है?

बीएमसी चुनाव से पहले नवाब मलिक का बड़ा आरोप, फडणवीस और बीजेपी कर रहे हैं बांटने की पॉलिटिक्स

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के मंत्री और एनसीपी नेता नवाब मलिक ने मंगलवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और तमिलनाडु के भाजपा नेता के. अन्नामलाई की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव से पहले दोनों विभाजनकारी राजनीति में लिप्त हैं। उन्होंने कहा कि मुंबई की सच्ची पहचान उसके महानगरीय स्वरूप और सभी पृष्ठभूमियों के लोगों के सामूहिक

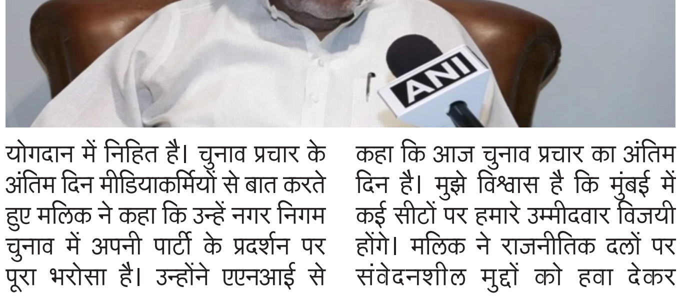

योगदान में निहित है। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन मीडियाकर्मियों से बात करते हुए मलिक ने कहा कि उन्हें नगर निगम चुनाव में अपनी पार्टी के प्रदर्शन पर पूरा भरोसा है। उन्होंने एएनआई से कहा कि आज चुनाव प्रचार का अंतिम दिन है। मुझे विश्वास है कि मुंबई में कई सीटों पर हमारे उम्मीदवार विजयी होंगे। मलिक ने राजनीतिक दलों पर संवेदनशील मुद्दों को हवा देकर मतदाताओं को ध्रुवीकृत करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में जिस तरह धार्मिक भावनाओं को भड़काया जा रहा है, भगवान राम को चुनाव में घसीटा जा रहा है, बुर्का भी मुद्दा बन गया है। पार्टियां बांग्लादेशी घुसपैठियों के नाम पर वोट मांग रही हैं। एनसीपी नेता ने यह आरोप लगाया। मलिक ने मराठी पहचान के नाम पर लोगों को भाषाई और क्षेत्रीय आधार पर बांटने के प्रयासों की भी आलोचना की। उन्होंने कहा एक तरफ, एक पार्टी भाषा और क्षेत्र के नाम पर लोगों को गुमराह कर रही है, कह रही है कि मराठी लोगों को अपने अधिकार मिलने चाहिए, अपने अधिकारों की मांग करनी चाहिए, लेकिन उत्तर भारतीयों या दक्षिण भारतीयों के खिलाफ लोगों को भड़काना भी गलत है। मुंबई की समावेशी भावना पर जोर देते हुए, एनसीपी नेता ने कहा कि यह शहर पूरे देश के लोगों के सामूहिक प्रयासों से बना है। उन्होंने कहा, ‘हम इस बात पर जोर देते हैं कि मुंबई में रहने वाले सभी जातियों, धर्मों, भाषाओं और क्षेत्रों के लोगों ने इस शहर के निर्माण में अपना खून-पसीना बहाया है। मुंबई में रहने वाले हर व्यक्ति ने मुंबई को आज के स्वरूप में लाने में योगदान दिया है। मुंबई एक महानगरीय शहर है, और यह सब यहाँ रहने वाले सभी लोगों के योगदान के कारण है।

सम्पादकीय

ईरान में गहराते आर्थिक संकट के चरमराई व्यवस्था, सड़क पर सरकार के खिलाफ संग्राम

ईरान की सड़कों पर फिर से सत्ता विरोधी हुंकार सुनाई देने लगी है। जगह-जगह विरोध प्रदर्शन और हिंसा की घटनाएं सामने आ रही हैं। हालात का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पिछले दो सप्ताह के दौरान हिंसक झड़पों में अब तक पांच सौ से अधिक लोगों की मौत हो जाने और दस हजार से ज्यादा लोगों को हिरासत में लेने का दावा किया जा रहा है। इसी बीच ईरान का अमेरिका और इजराइल के साथ तनाव भी बढ़ता जा रहा है। अमेरिका ने तो यह चेतावनी भी दे डाली है कि अगर प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग किया गया, तो वह ईरान पर हमले की कार्रवाई करेगा।

सवाल है कि आखिर ईरान में लोगों का शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ सड़कों पर उतरने का कारण क्या है? विरोध प्रदर्शन का झंडा बुलंद करने वालों को कहना है कि लोग देश की आर्थिक बदहाली और बढ़ती महंगाई से त्रस्त हैं। वहीं, ईरान सरकार का आरोप है कि यह सब अमेरिका के इशारे पर हो रहा है, ताकि उनके देश को अस्थिर किया जा सके। ईरान में विरोध प्रदर्शनों पर एक सवाल यह भी उठ रहा है कि वहां की सरकार की ओर से आंतरिक मामलों को सुलझाने और जनता का भरोसा जीतने का समय रहते प्रयास क्यों नहीं किया गया?

इस मुल्क में ऐसे ही विरोध प्रदर्शन वर्ष 2022 में भी देखे गए थे, जब महसा अमीनी नामक एक महिला की पुलिस हिरासत में मौत हो गई थी। महसा पर आरोप था कि उसने हिजाब के कानून को नहीं माना, जिस कारण उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। इस घटना के बाद देश भर में महिलाएं सड़कों पर उतर आई थीं। इस बार भले ही मुद्दा अलग है, लेकिन विरोध प्रदर्शनों में पहले की तरह महिलाएं बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रही हैं।

तनाव बढ़ने के बाद कई शहरों में इंटरनेट पर पाबंदी लगा दी गई है, सड़कों पर सुरक्षाबल मोर्चा संभाले हुए हैं और इस दौरान हिंसक झड़पें भी हो रही हैं। इसी बीच सोमवार को सरकार समर्थक भी सड़कों पर उतर आए, जिससे हालात और बिगडने की आशंका है। ऐसे में ईरान सरकार को चाहिए कि अंदरूनी मसलों को सुलझाने के लिए सुरक्षा बलों की ताकत का सहारा लेने के बजाय शांतिपूर्ण तरीके से समाधान के रास्ते तलाशे जाएं।

दूसरी ओर ईरान में विरोध प्रदर्शनों को वहां के सर्वोच्च धार्मिक नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को सत्ता से हटाने की कोशिशों से जोड़ कर भी देखा जा रहा है। इसके पीछे अमेरिका और इजराइल का हाथ होने की आंशका इसलिए जोर पकड़ रही है, क्योंकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल में जारी एक बयान में कहा है कि ईरान की जनता आजादी चाहती है, जो उसने पहले कभी महसूस नहीं की। साथ ही प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग करने पर कार्रवाई की धमकी भी दी है।

इस पर ईरान ने भी चेतावनी दी है कि अगर हमला हुआ, तो अमेरिका के ठिकानों को निशाना बनाया जाएगा। हालांकि दोनों देशों में बढ़ते तनाव के बीच फिलहाल राहत की बात यह कि अमेरिका के राष्ट्रपति ने दावा किया कि ईरान वर्तमान हालात को लेकर बातचीत के लिए तैयार हो गया है। अब देखना होगा कि क्या ईरान कोई ऐसा रास्ता निकाल पाता है, जिससे विरोध प्रदर्शन खत्म हो जाएं और मौजूदा संकट भी टल जाए?

विश्व में हिन्दी की बढ़ती साखः भारत में उपेक्षा क्यों?

हर वर्ष 10 जनवरी को मनाया जाने वाला विश्व हिंदी दिवस केवल एक औपचारिक या प्रतीकात्मक आयोजन नहीं है, बल्कि यह हिंदी भाषा की वैश्विक यात्रा, उसकी बढ़ती प्रतिष्ठा, उसके सामने उपस्थित चुनौतियों और हमारे अपने राष्ट्रीय आचरण की विडंबनाओं पर गहन चिंतन का अवसर है। यह दिन हमें उस ऐतिहासिक क्षण की स्मृति कराता है जब पहली बार संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी बोली गई थी और भारत की सांस्कृतिक आत्मा ने विश्व मंच पर अपनी मौलिक पहचान दर्ज कराई थी। आज स्थिति यह है कि हिंदी विश्व में सम्मान, स्वीकार्यता और लोकप्रियता की नई ऊँचाइयों को छू रही है, लेकिन अपने ही देश में वह अपेक्षा, उपेक्षा और संकोच के बीच झूलती दिखाई देती है। यही विरोधाभास विश्व हिंदी दिवस को और अधिक प्रासंगिक बना देता है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य दुनियाभर में फैले हिंदी जानकारों, हिन्दीभाषियों को एकजुट करना, हिन्दी को विश्व स्तर पर स्थापित एवं प्रोत्साहित करना और हिंदी की आवश्यकता से अवगत कराना है। अंग्रेजी भाषा भले ही दुनियाभर के कई देशों में बोली है और लिखी जाती है लेकिन हिंदी हृदय की भाषा है। विश्व हिन्दी दिवस विश्व में हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिये जागरूकता पैदा करने तथा हिन्दी को अन्तरराष्ट्रीय भाषा के रूप में मान्यता दिलाने का प्रभावी उपक्रम है।

हिंदी मात्र संवाद की भाषा नहीं है, वह भारतीय सभ्यता, संस्कृति, संवेदना और सामूहिक चेतना की वाहक है। यह लोक से उपजी, लोक में पली और लोक के लिए ही जीने वाली भाषा है। हिंदी का सबसे बड़ा गुण उसकी सहजता, सरलता और वैज्ञानिक संरचना है। यह ध्वन्यात्मक भाषा है, जिसमें जैसा लिखा जाता है वैसा ही बोला जाता है, जिससे इसे सीखना और अपनाना अपेक्षाकृत सरल हो जाता है। यही कारण है कि जिन देशों में भारतीय प्रवासी

बसे हैं, वहां हिंदी ने सहज ही अपनी जड़ें जमा ली हैं। एशिया, अफ्रीका, यूरोप और अमेरिका तक हिंदी आज केवल भारतीयों की भाषा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक संवाद की भाषा बनती जा रही है। योग, आयुर्वेद, भारतीय दर्शन, बॉलीवुड, भक्ति साहित्य और डिजिटल माध्यमों ने हिंदी को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह दुनिया की तीसरी या चौथी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है, अंग्रेजी और मंदारिन चीनी के बाद, और भारत के साथ-साथ नेपाल, मॉरीशस, फिजी जैसे देशों में भी इसका व्यापक उपयोग है और यह विश्व स्तर पर लोकप्रिय हो रही है।

विश्व में लगभग साठ-सत्तर करोड़ से अधिक लोग हिंदी बोलते, समझते या किसी न किसी रूप में उससे जुड़े हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिंदी की उपस्थिति निरंतर बढ़ रही है। विश्व हिंदी सम्मेलन, जिसकी शुरुआत 1975 में नागपुर में हुई थी, आज एक वैश्विक वैचारिक आंदोलन का रूप ले चुका है। इन सम्मेलनों ने यह सिद्ध किया है कि हिंदी केवल भावनाओं या साहित्य की भाषा नहीं, बल्कि विचार, विज्ञान, कूटनीति और वैश्विक संवाद की भी सक्षम भाषा है। हिंदी को वैश्विक मंच पर आत्मसम्मान और स्वाभिमान के साथ प्रस्तुत करने का श्रेय यदि किसी भारतीय नेता को जाता है, तो वे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी हैं। 1977 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी में दिया गया उनका भाषण केवल भाषण नहीं था, बल्कि वह एक सांस्कृतिक उद्घोषणा थी। अटल बिहारी वाजपेयी ने यह सिद्ध कर दिया कि हिंदी में भी अंतरराष्ट्रीय राजनीति, शांति, निरस्त्रीकरण और मानवता जैसे गहन विषयों पर प्रभावी संवाद संभव है। उनके लिए हिंदी भावुक आग्रह नहीं, बल्कि राष्ट्रबोध की सशक्त अभिव्यक्ति थी। उन्होंने हिंदी को सत्ता की भाषा बनाने का प्रयास नहीं किया, बल्कि उसे संवाद और आत्मगौरव की भाषा के रूप में प्रतिष्ठित किया।

वैश्वीकरण और उदारीकरण के दौर में हिंदी की यात्रा कुछ हद तक धीमी अवश्य हुई, विशेष रूप से शासन और उच्च प्रशासनिक स्तर पर। अंग्रेज़ी को आधुनिकता, सफलता और वैश्विकता का प्रतीक मान लिया गया, जबकि हिंदी को प्रायः भावनात्मक या घरेलू दायरे में सीमित कर दिया गया। शिक्षा, न्यायपालिका, कॉर्पोरेट जगत और उच्च प्रशासन में हिंदी अपेक्षित स्थान नहीं बना सकी। हालांकि हिंदी साहित्य, पत्रकारिता और सिनेमा ने इस दौर में भी अपनी सृजनात्मक ऊर्जा बनाए रखी, लेकिन नीतिगत स्तर पर हिंदी को वह प्राथमिकता नहीं मिल पाई जिसकी वह हकदार थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में हिंदी ने एक बार फिर वैश्विक मंच पर आत्मविश्वास के साथ उपस्थिति दर्ज कराई है। वे विश्व के किसी भी मंच पर हिंदी में बोलने से संकोच नहीं करते। संयुक्त राष्ट्र महासभा, जी-20 सम्मेलन, शंघाई सहयोग संगठन या प्रवासी भारतीयों के कार्यक्रम, हर जगह उनकी हिंदी यह संदेश देती है कि अपनी भाषा में बोलना कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मबल का परिचायक है। नरेंद्र मोदी ने हिंदी को अनुवाद की बैसाखी के सहारे नहीं, बल्कि उसकी मौलिक शक्ति के साथ प्रस्तुत किया। डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया जैसे अभियानों में हिंदी को केंद्र में रखा गया, जिससे आम नागरिक का शासन से संवाद अधिक सुलभ और प्रभावी हुआ। सरकारी योजनाओं, मोबाइल ऐप्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर हिंदी की बढ़ती उपस्थिति ने यह सिद्ध किया कि तकनीक और हिंदी एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हो सकते हैं।

इसके बावजूद यह एक कटु सत्य है कि हिंदी आज विश्व में जितनी प्रतिष्ठित हो रही है, उतनी ही अपने ही देश में उपेक्षित होती जा रही है। अंग्रेज़ी को सामाजिक प्रतिष्ठा और बौद्धिक श्रेष्ठता का पैमाना बना दिया गया है। माता-पिता अपने बच्चों को अंग्रेज़ी माध्यम में पढ़ाकर गर्व महसूस करते हैं, जबकि हिंदी माध्यम को हीन दृष्टि से देखा जाता है। यह समस्या भाषा की नहीं, मानसिकता की है। यह मानसिक गुलामी है, जो हमें अपनी ही भाषा से दूर करती जा रही है। राजनीतिक दल हिंदी की बात तो करते हैं, लेकिन उसे शिक्षा, न्याय और प्रशासन की मुख्यधारा में स्थापित करने के लिए ठोस इच्छाशक्ति का अभाव दिखाई देता है। हिंदी एक वैज्ञानिक भाषा भी है, यह तथ्य अक्सर उपेक्षित रह जाता है। इसकी वर्णमाला उच्चारण विज्ञान पर आधारित है। इसमें नए शब्द गढ़ने और विदेशी शब्दों को आत्मसात करने की अद्भुत क्षमता है। संस्कृत से जुड़ी होने के कारण यह तकनीकी, दार्शनिक और वैज्ञानिक शब्दावली के निर्माण में पूरी तरह सक्षम है। हिंदी में भावनाओं की अभिव्यक्ति जितनी सहज है, उतनी ही तार्किक और बौद्धिक विमर्श की भी क्षमता है। यही कारण है कि हिंदी जनभाषा होते हुए भी वैश्विक संवाद की भाषा बनने की पूरी क्षमता रखती है।

सच्चाई तो यह है कि देश में हिंदी अपने उचित सम्मान को लेकर जूझ रही है। राजनीति की दूषित एवं संकीर्ण सोच का परिणाम है कि हिन्दी को जो सम्मान मिलना चाहिए, वह स्थान एवं सम्मान आजादी के अमृत महोत्सव मना चुके राष्ट्र में अंग्रेजी को मिल रहा है। अंग्रेजी और अन्य विदेशी भाषाओं की सहायता जरूर ली जाए लेकिन तकनीकी एवं कानून की पढ़ाई एवं राजकाज की भाषा के माध्यम के तौर पर अंग्रेजी को प्रतिबंधित या नियंत्रित किया जाना चाहिए। आज भी भारतीय न्यायालयों में अंग्रेजी में ही कामकाज होना राष्ट्रीयता को कमजोर कर रहा है। हिन्दी के बहुआयामी एवं बहुतायत उपयोग में ही राष्ट्रीयता की मजबूती है, जीवन है, प्रगति है और शक्ति है किन्तु इसकी उपेक्षा में विनाश है, अगति है और स्खलन है। एथनोलॉग के वर्ल्ड लैंग्वेज डेटाबेस के 22वें संस्करण में बताया गया है कि दुनियाभर की 20 सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओं में 6 भारतीय भाषाएं हैं, इनमें हिंदी विश्व में तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा बन गयी है। हिंदी का भविष्य उज्ज्वल है, लेकिन यह भविष्य तभी साकार होगा जब हम स्वयं अपनी भाषा पर विश्वास करेंगे। विश्व हिंदी दिवस इसी संकल्प का दिन है कि हिंदी को विश्व में प्रतिष्ठित करने के साथ-साथ अपने ही घर में उसका सम्मान और अधिकार लौटाया जाए, क्योंकि जब भाषा सशक्त होती है, तब राष्ट्र की आत्मा भी सशक्त होती है।

ईरान सुलग रहा है, सत्ता कांप रही है, जनता का डर खत्म हो रहा है, क्या इस्लामी शासन के दिन पूरे हो गये?

ईरान इस समय उबाल पर है। जो विरोध महंगाई, बेरोजगारी और बदहाल अर्थव्यवस्था के खिलाफ शुरू हुआ था वह अब सीधे इस्लामी सत्ता व्यवस्था को उखाड़ फेंकने की चुनौती बन चुका है। लगातार बारह दिनों से सड़कों पर उतर रही जनता अब केवल नारे नहीं लगा रही बल्कि सत्ता के प्रतीकों को जलाकर यह साफ संदेश दे रही है कि डर की दीवार टूट चुकी है। सरकारी इमारतें, पुलिस चौकियां और प्रशासनिक वाहन जनता के गुस्से का निशाना बन रहे हैं। यह केवल प्रदर्शन नहीं है, यह व्यवस्था के खिलाफ खुला विद्रोह है।

तेहरान से लेकर मशहद, इस्फहान और दर्जनों छोटे शहरों तक हालात एक जैसे हैं। सड़कों पर युवा हैं, महिलाएं हैं, मजदूर हैं और अब मध्यम वर्ग भी खुलकर सामने आ चुका है। नारे अब रोटी कपड़ा और नौकरी तक सीमित नहीं रहे। सीधे सर्वोच्च नेता और पूरी इस्लामी व्यवस्था को ललकारा जा रहा है। सत्ता के खिलाफ इस तरह की खुली बगावत ईरान के इतिहास में बहुत कम देखी गई है।

हालांकि ईरान सरकार का जवाब भी उतना ही सख्त और बेरहम है। इंटरनेट बंद, मोबाइल सेवाएं ठप, सुरक्षा बलों को खुली छूट और गिरफ्तारियों का अंधाधुंध दौर चल रहा है। दर्जनों मौतें हो चुकी हैं और हजारों लोग जेलों में ठूंस दिए गए हैं। सत्ता यह दिखाना चाहती है कि वह अब भी मजबूत है, लेकिन हकीकत यह है कि डर के बल पर चलने वाली किसी भी व्यवस्था का अंत हमेशा हिंसक होता है।

हम आपको यह भी बता दें कि इन हालात के बीच रेजा पहलवी का नाम फिर से उभर रहा है। वह ईरान के आखिरी शाह के बेटे हैं और खुद को देश का वैध क्राउन प्रिंस मानते हैं। हम आपको याद दिला दें कि 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद उनका परिवार देश छोड़ने पर मजबूर हुआ था। तब से वह निर्वासन में हैं और खुद को लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्ष ईरान का चेहरा बताने की कोशिश कर रहे हैं। रेजा पहलवी खुले तौर पर मौजूदा सत्ता को अवैध बताते हैं और सेना तथा जनता से अपील कर रहे हैं कि वह इस्लामी नेतृत्व का साथ छोड़ दें। उनके समर्थक उन्हें ईरान के लिए एक वैकल्पिक नेतृत्व के रूप में पेश कर रहे हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह सिर्फ भावनात्मक अपील है या वाकई सत्ता परिवर्तन का कोई ठोस खाका है। सवाल यह भी है कि क्या ईरान में तख्तापलट होने वाला है?

देखा जाये तो यह सवाल इस समय हर विश्लेषण का केंद्र बना हुआ है। मगर सच्चाई यह है कि ईरान में हालात गंभीर जरूर हैं लेकिन तख्तापलट के लिए संगठित नेतृत्व, सेना का समर्थन और सत्ता संरचना के भीतर दरार जरूरी होती है। फिलहाल जो दिख रहा है वह जनता का गुस्सा है, लेकिन वह गुस्सा बिखरा हुआ है। कोई एक केंद्रीकृत नेतृत्व नहीं है जो सत्ता संभालने की स्थिति में हो। रेजा पहलवी की लोकप्रियता सोशल मीडिया और प्रवासी ईरानियों में जरूर है, लेकिन देश के भीतर उनके पास न तो संगठन है और न ही जमीन पर नियंत्रण। ईरान की सुरक्षा व्यवस्था बेहद मजबूत और वैचारिक रूप से कट्टर है। रिवोल्यूशनरी गार्ड केवल सेना नहीं बल्कि सत्ता की भी रीढ़ हैं। जब तक इस ढांचे में टूट नहीं होती तब तक तख्तापलट की बात करना जल्दबाजी होगी।

जहां तक यह सवाल है कि क्या राजशाही की वापसी संभव है तो आपको बता दें कि राजशाही की वापसी एक और भावनात्मक कल्पना है। आज का ईरान 1979 वाला ईरान नहीं है। चार दशक की इस्लामी सत्ता ने समाज की संरचना बदल दी है। नई पीढ़ी स्वतंत्रता चाहती है लेकिन जरूरी नहीं कि वह किसी शाह को फिर से गद्दी पर बैठाना चाहती हो। रेजा पहलवी खुद भी खुलकर यह नहीं कहते कि वे राजा बनेंगे। वह सत्ता को जनता के हवाले करने और जनमत संग्रह की बात करते हैं। इसका मतलब साफ है कि राजशाही की वापसी फिलहाल एक नारा भर है, हकीकत नहीं।

ईरान संकट का सामरिक प्रभाव देखें तो इसमें कोई दो राय नहीं कि ईरान पूरे पश्चिम एशिया की धुरी है। यहां अस्थिरता का मतलब है तेल बाजार में उथल पुथल, खाड़ी क्षेत्र में तनाव और कई देशों में प्रॉक्सी संघर्ष का तेज होना। ईरान के कमजोर होने से उसके समर्थित गुटों की स्थिति भी बदलेगी। इससे इजराइल और अरब देशों के बीच संतुलन बदल सकता है। अमेरिका और पश्चिमी शक्तियां इस मौके को अपने हित में भुनाने की कोशिश करेंगी। दूसरी ओर रूस और चीन भी ईरान को हाथ से जाने नहीं देना चाहेंगे। अगर ईरान में सत्ता परिवर्तन होता है तो उसका असर केवल तेहरान तक सीमित नहीं रहेगा। यह पूरे क्षेत्र को हिला देगा और वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा को भी झटका देगा।

देखा जाये तो ईरान में जो हो रहा है वह केवल सत्ता के खिलाफ गुस्सा नहीं बल्कि दशकों की घुटन का विस्फोट है। जनता अब सुधार नहीं बल्कि बदलाव चाहती है। लेकिन बदलाव अपने आप नहीं आता, उसे दिशा देनी पड़ती है। रेजा पहलवी इस विद्रोह का चेहरा बन सकते हैं, लेकिन वह मसले का समाधान नहीं हैं। सत्ता परिवर्तन के लिए केवल नाम नहीं बल्कि जमीन पर ताकत चाहिए। अगर यह विद्रोह संगठित नहीं हुआ तो सत्ता इसे बेरहमी से कुचल देगी।

बहरहाल, ईरान आज चौराहे पर खड़ा है। एक रास्ता दमन का है, दूसरा बदलाव का। तख्तापलट होगा या नहीं यह आने वाले दिनों में तय होगा, लेकिन इतना तय है कि ईरान अब पहले जैसा नहीं रहेगा। डर टूट चुका है और यही किसी भी सत्ता के पतन की पहली सीढ़ी होती है।

चीन से क्या हम भाषायी बोध सीख सकते हैं

हिंदी के संदर्भ में देखें तो राजभाषा और राष्ट्रभाषा के बीच शाब्दिक ही नहीं, भावात्मक फर्क भी है। फिर भी एक बड़ा वर्ग हिंदी को राष्ट्रभाषा भी मानता है। यही वजह है कि हर साल ग्रेगोरियन कैलेंडर के नौंवे महीने की दस्तक के साथ ही, हर सरकारी दफ्तर राजभाषा पखवाड़े या महीने को लेकर उत्साह से भर उठता है। कुछ ऐसा ही पड़ोसी चीन में भी अब होता नजर आ रहा है। अब वहां सितंबर का तीसरा सप्ताह 'राष्ट्रीय सामान्य भाषा और लिपि' को समर्पित होगा। भारत और चीन के सितंबर महीने के भाषायी उत्साह में एक अंतर रहेगा, राष्ट्रभाषा बनाने की आस में हिंदी के राजभाषा ओहदे को याद किया जाएगा, जबकि चीन अपनी मंदारिन भाषा को बाकायदा राष्ट्रभाषा के तौर पर और आगे बढ़ाने की ओर अग्रसर होगा।

भाषायी चिंतन और व्यवहार को लेकर भारत और चीन को लेकर तकरीबन एक ही सोच है। भारत में एक मानस ऐसा है, जिसे हिंदी की कीमत पर भी पर अंग्रेजी स्वीकार्य है। यह धारा मानती है कि वेगवान आर्थिक विकास की वजह से चीन का भाषायी व्यवहार भी इसी भारतीय मानस की तरह बदल चुका है। बेशक चीन ने अंग्रेजी सीखने-सिखाने की दिशा में भरपूर निवेश किया है। अपनी आर्थिक ताकत के चलते पश्चिम के नामी विश्वविद्यालयों में चीनी सत्ता प्रतिष्ठान अपने लिए अध्ययन पीठ स्थापित कर चुका है। गौर करने की बात है कि उसने यह सब अलग और अतिरिक्त अनुशासन और ज्ञान के साधन के तौर पर किया है, भारत की तरह अपनी भाषा, विशेषकर हिंदी की कीमत पर ऐसा नहीं किया है।

अंग्रेजी का पहला वैश्विक विस्तार ब्रिटिश उपनिवेशीकरण के दौर में हुआ और दूसरी बार उसका प्रसार रीगन-थैचर की जोड़ी के आर्थिक उदारीकरण के बढ़ते कदमों के साथ हुआ। इस संदर्भ में चीन और भारत के भाषायी चिंतन और व्यवहार फर्क साफ नजर आता है। पिछली सदी के अस्सी के दशक में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख देंग झिआओपिंग ने आर्थिक खुलेपन की नींव रखी। यह 1978 का साल था। इसके ठीक दो साल बाद भारत में इंदिरा गांधी की सत्ता में वापसी हुई और उन्होंने भी धीरे-धीरे इंस्पेक्टर राज कम करने की शुरूआत की। उनकी उदारीकरण की सोच को राजीव गांधी ने परवान चढ़ाया। 1991 के आम चुनावों के घोषणा पत्र में कांग्रेस ने पहली बार समाजवादी आर्थिक नीतियों के बरक्स उदारीकरण का वादा किया। तब से अब तक की दोनों देशों की आर्थिक विकास यात्रा को देखें तो अंतर साफ नजर आता है। चीन आज अमेरिका के बाद दुनिया की दूसरी बड़ी आर्थिक महाशक्ति है। उसकी तेज आर्थिक यात्रा के समानांतर अंग्रेजी का विस्तार नहीं दिखता। जबकि भारत में इसके ठीक उलट नजारा दिखता है।

उदारीकरण के बरक्स दोनों देशों के भाषायी चिंतन में भी फर्क नजर आता है। यह फर्क ही है कि चीन अब अपनी मंदारिन भाषा और उसकी लिपि को लेकर सितंबर महीने के तीसरे हफ्ते को समर्पित कर रहा है। चीन की सर्वोच्च विधि निर्माता संस्था 'राष्ट्रीय जन प्रतिनिधि सभा' की स्थाई समिति द्वारा बीते 27 दिसंबर को इससे जुड़ा कानून पारित करना इसी सोच का प्रतीक है। इस कानून में हर वर्ष सितंबर के तीसरे सप्ताह को 'राष्ट्रीय सामान्य भाषा और लिपि संवर्धन एवं प्रचार सप्ताह' के रूप में मनाना तय किया गया है। यह कानून पुराने राष्ट्रीय भाषा कानून में संशोधन के बाद आया है। चीन में दो तरह की मंदारिन का प्रयोग होता है, एक लिखित और दूसरी मौखिक। इस कानून में दोनों तरह की भाषाओं का ध्यान रखा गया है। चीन अपनी भाषा और लिपि को अपने राष्ट्र का प्रतीक मानता है। चीन में इन दिनों प्रौद्योगिकी और डिजिटल जगत में लगातार प्रगति हो रही है। यहां ऑडियो-विजुअल प्रोग्रामिंग और गेमिंग भी बढ़ी है। चीन का भाषायी कानून इन सबमें इस्तेमाल होने वाली भाषा के साथ कदमताल करने का प्रयास है। कहा जा सकता है कि चीनी राष्ट्रभाषा और लिपि कानून में यह संशोधन तेजी से विकसित हो रही संचार प्रौद्योगिकियों और ऑनलाइन सामग्री के विस्तार के बीच भाषा के मानकीकरण को मजबूत करने की कोशिश है। इस कानून में साइबरस्पेस प्रशासन को लेकर भी व्यवस्था की गई है। इसके तहत अब ऑनलाइन सांस्कृतिक कार्यक्रमों, वेब सीरीज, ऑनलाइन फिल्मों, ऑनलाइन गेम और अन्य

डिजिटल प्रकाशनों में मानक चीनी भाषा यानी मंदारिन और मानकीकृत चीनी अक्षरों को मूल भाषा के रूप में उपयोग करना जरूरी होगा। इसके साथ ही चीन में होने वाली अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों, कॉन्फ्रेंस, इवेंट्स आदि के साइनबोर्ड, लेबल या प्रमोशनल मैटीरियल में विदेशी भाषाओं के साथ ही मानक चीनी भाषा भी शामिल करने पर जोर दिया गया है। इसकी तुलना में भारतीय राष्ट्रभाषा और आधुनिक प्रौद्योगिकी संग उसके तालमेल पर नजर डालें साफ फर्क नजर आता है। भारत अब भी राष्ट्रभाषा से दूर है। हिंदी को राष्ट्रभाषा मानने वाली ताकतों के सुर भी अब धीमे पड़ते जा रहे हैं। लेकिन चीन अपने आर्थिक उदारीकरण के बावजूद अपनी भाषा की ओर लौटता नजर आ रहा है।

इसके साथ ही चीन के भाषायी आंकड़ों पर भी नजर डालना जरूरी है। यहां की करीब 80 प्रतिशत से ज़्यादा आबादी मंदारिन बोल सकती है। चीन में करीब 97.33 प्रतिशत लोग साक्षर हैं। इनमें करीब 95 प्रतिशत से ज़्यादा लोग मानक चीनी अक्षरों का प्रयोग करते हैं। चाइना इंटरनेट नेटवर्क इन्फॉर्मेशन सेंटर की ताजा रिपोर्ट के अनुसार बीते जून तक चीन में एक अरब 12 करोड़ से ज़्यादा इंटरनेट यूज़र थे। इसी रिपोर्ट के अनुसार, चीन में इंटरनेट इस्तेमाल की दर 79.7 प्रतिशत तक पहुँच गई है। भाषायी कानून में इन आंकड़ों के मद्देनजर सरकारी और पब्लिक सर्विस वेबसाइट और मोबाइल एप्लिकेशन के लिए भी सरकारी नियमों और मानकों के अनुसार, राष्ट्रीय मानक भाषा का इस्तेमाल जरूरी हो गया है। इस कानून का लक्ष्य 'चीनी राष्ट्र के प्रति मजूबत सामुदायिक भावना का विकास 'और 'सांस्कृतिक आत्मविश्वास की मज़बूती' है। कानून इस बात पर भी ज़ोर देता है कि बोली और लिखी जाने वाली मानक चीनी भाषा के इस्तेमाल का मकसद राष्ट्रीय संप्रभुता, एकता और जातीय एकजुटता बनाना होना चाहिए। यह कानून शिक्षा में भी मानक चीनी भाषा की भूमिका पर ज़ोर देता है। कानून के अनुसार, शिक्षण और पाठ्य सामग्री में मानक मंदारिन ही बुनियादी भाषा होगी। यह भारत की नई शिक्षा नीति जैसा ही है, जिसमें प्राथमिक स्तर पर भारतीय भाषाओं के जरिए शिक्षण पर जोर दिया गया है। इस कानून के तहत संस्कृति, पर्यटन और ट्रांसपोर्ट जैसे सेक्टर में सर्विस देने वाले कर्मचारियों के लिए मानक मंदारिन जानना जरूरी होगा। इस कानून में मानक चीनी सीखने या प्रयोग में बाधा डालने पर सजा का प्रावधान भी है। हालांकि पहले उन्हें इसके लिए आगाह किया जाएगा। यहां ध्यान देने की जरूरत है कि भारत में भाषा को नकारने को लेकर कोई सजा का प्रावधान नहीं है।

वैसे इस कानून के दुरूपयोग की चिंता भी जताई जा रही है। चीनी संविधान और जातीय स्वायत्तता व्यवस्था के तहत, स्वायत्त क्षेत्रों मसलन, तिब्बत, शिनजियांग, इनर मंगोलिया, गुआंग्शी, निंग्शिया आदि को क्षेत्रीय स्वायत्तता कानूनों के अनुसार, सरकारी कार्यों, शिक्षा और रोज़मर्रा की ज़िंदगी में राष्ट्रीय भाषा के साथ-साथ एक या अधिक स्थानीय भाषाओं के इस्तेमाल का प्रावधान है। लेकिन शी चिनफिंग के शासन में ये प्रावधान कमज़ोर होते गए हैं। इसका असर तिब्बत में दिखता है, जहां कई सालों से चल रहे मातृभाषा आंदोलन और सांस्कृतिक शिक्षा का दमन किया गया। इसकी वजह से वहां निजी स्कूल बंद कर दिए गए और उनके संस्थापक गिरफ्तार कर लिए गए। तिब्बतियों को आशंका है कि इस कानून के तहत उनके खिलाफ दमन का एक और चक्र शुरू हो सकता है। साल 1994 में फ्रांस ने अपने यहां अंग्रेजी के बिलावजह प्रयोग को कानून के जरिए रोक लगाई थी। अब चीन का अपनी मानक भाषा को स्थापित करने का कानून आया है। यह सब देखते हुए भी भारत की मौजूदा राजनीतिक हालात के मद्देनजर ऐसे कानून का सुझाव देना भी संभव नहीं लगता। लेकिन चीन के इस भाषायी बोध के बहान अपेक्षा तो की ही जा सकती है कि एक दिन भारत में भी ऐसी सोच जरूर विकसित होगी।

संगमनगरी में हुआ जगद्गुरु शंकराचार्य का पावन आगमन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। अध्यात्म, सनातन संस्कृति और वैदिक परंपरा की पावन भूमि प्रयागराज आज एक दिव्य क्षण की साक्षी बनी, जब ज्योतिर्मठ के उत्तराम्नाय ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती जी महाराज का पावन आगमन माघ मेला क्षेत्र में हुआ। महाराज जी के आगमन से सम्पूर्ण संगम नगरी भक्तिरस और आध्यात्मिक चेतना से ओतप्रोत हो उठी।

महाराज जी का स्वागत वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद एवं हर-हर महादेव के जयघोष के साथ संतों, साधुओं एवं श्रद्धालुओं द्वारा किया गया। उनके शिविर में प्रवेश के साथ ही विधिवत धार्मिक अनुष्ठानों एवं साधना-सत्संग का शुभारंभ हुआ।

इस पावन अवसर पर अनेक प्रतिष्ठित संत-महात्मा एवं गणमान्य जन उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से सर्व दण्डी स्वामी अनन्तसदाशिव ब्रह्मेन्द्रानन्द सरस्वती जी, शाकंभरी पीठाधीश्वर सिद्ध भैरव तंत्र आचार्य महंत सहजानंद ब्रह्मचारी जी, महंत ब्रह्मचारी श्रीधरानंद जी और पंकज पाण्डेय (मेला प्रभारी) सहित अनेक संतगण उपस्थित रहे।

इसके अतिरिक्त श्रीराम सजीवन शुक्ल, विकास शुक्ल, रत्नेश मिश्रा, विवेक शुक्ला, दिलीप तिवारी, योगिराज, मनीष तिवारी, योगेश शुक्ल, सत्यम चौबे, शिवम् तिवारी, ललित तिवारी, कार्तिकेय तिवारी एवं अन्य श्रद्धालु व गणमान्य व्यक्ति भी इस अवसर के साक्षी बने। प्रयाग प्रवास के दौरान जगद्गुरु शंकराचार्य जी महाराज द्वारा गुप्त नवरात्र के विशेष अनुष्ठान संपन्न किए जाएंगे। प्रयाग माता भगवती ललिता देवी का सिद्ध शक्तिपीठ क्षेत्र होने के कारण इस साधना का विशेष आध्यात्मिक महत्व है। यह अनुष्ठान राष्ट्र की सुख-समृद्धि, सनातन धर्म की सुदृढ़ता तथा लोक कल्याण की भावना से किया जा रहा है।

महाराज जी के सान्निध्य में प्रतिदिन सत्संग, वेदांत प्रवचन एवं भगवती की विशेष आरती का आयोजन होगा। उनके आगमन से माघ मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है।

सांस्कृतिक रंगों में रंगा नाद-ब्रह्म शिल्प मेला, कलाकारों ने मोहा मन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित नाद-ब्रह्म शिल्प मेला के अंतर्गत शिल्प मेले के दूसरे दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों को भारतीय लोकपरंपरा और साहित्य की जीवंत अनुभूति कराई। लोकगीत, देवी गीत, भजन और विचारों के संगम से सजी इस सांस्कृतिक संध्या ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

सांस्कृतिक संध्या की शुरुआत भानु प्रताप सिंह ने देवी गीतों से की। उन्होंने 'मेरी नैया में लक्ष्मण राम', 'पिया वचवा के लतनि ढोलावल करु' तथा 'कहके काली रंग कोयलिया' की प्रस्तुति देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इसके उपरांत वशिष्ठ मिश्रा ने 'रघुराई हे रघुराई', 'हम कथा सुनाते', 'मोको कहाँ ढूंढें रे बंदे' एवं 'रंग महल के दस दरवाजे' प्रस्तुत कर श्रोताओं की खूब प्रशंसा बटोरी।

इसके बाद आश्रया द्विवेदी ने देवी गीत 'लाल रंग सिंदुरुआ बा' से प्रस्तुति की शुरुआत की। उन्होंने 'हे गंगा मईया तोहे पिपरी चढ़ईबू', 'सईयां से कईदे मिलनवा', 'अहिए पिया परदेसिया', 'झुलवे झूलनवा ना' तथा 'हमके मेलवा घुमाई द हमार सजना' की सशक्त प्रस्तुति देकर दर्शकों से खूब तालियां बटोरीं।

कार्यक्रम की अगली कड़ी में आयोजित साहित्यिक संगोष्ठी में डॉ. रविनंदन सिंह ने 'माघ मेला : वसुधैव कुटुम्बकम के घोष का स्वर' विषय पर विचार रखते हुए कहा कि कल्पवास भारतीय संस्कृति की प्रयोगशाला है, जहां जड़ और चेतन मिलकर मनुष्यता का पुनर्सृजन करते हैं। वहीं शिशिर सोमवंशी ने कहा कि 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भारतीय अवधारणा समस्त प्राणियों के सह-अस्तित्व और विविधता के सम्मान की स्थापना करती है, जो आज विश्व शांति और पर्यावरण संरक्षण के संदर्भ में और अधिक प्रासंगिक हो गई है। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत जबावी बिरहा में श्याम लाल बेगाना, प्रियंका माधुरी, मुशर्रफ अली, विभव शंकर एवं सीमा ने लोकगीतों की प्रस्तुति देकर दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ दिया। केंद्र निदेशक सुदेश शर्मा ने सभी कलाकारों को पुष्पगुच्छ एवं पौधा भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन देवेश कुमार पाण्डेय ने किया।

शिष्य सपरिवार लें रहे गुरू दीक्षा

पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्माश्रम, जगदगुरु शाडिल्य महराज, जगदगुरु स्वामी अमृत दास सहित अन्य संतों से 180 शिष्यों ने लिया दीक्षा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। सनातन धर्म में गुरु - शिष्य की परंपरा प्रयागराज के संगम की रेती पर और समृद्ध हो रही है। देश के कोने - कोने से माघ मास में कल्पवास और स्नान के लिए आए कल्पवासी और स्नानार्थी अपने - अपने गुरूओं से दीक्षा (गुरु मंत्र) लें रहे है। माघ मेले में संत, महात्माओं के अलग - अलग शिविरों में 180 से अधिक शिष्यों ने अपने गुरूओं से दीक्षा लिया है। दीक्षा के दौरान गुरु शिष्य पति, पत्नी को विधि विधान से गुरु मंत्र देते है जिसका वह पालन करते है।

अखिल भारतीय दण्डी सन्यासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्माश्रम महराज, पीठाधीश्वर स्वामी रामास्वामी (शास्त्री स्वामी) श्रृंगवेरपुर धाम, श्रृंगवेरपुर पीठाधीश्वर श्रीमद जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी नारायणाचार्य शांडिल्य जी महाराज, जगदगुरू स्वामी अनंताचार्य महराज दमोह एमपी सहित अन्य संतो के शिविर में दीक्षा कार्यक्रम माघी पूर्णिमा तक चलता रहेगा। इस दौरान दौरान बडी संख्या मे शिष्य अलग - अलग शिविरों में अपने गुरूओं से मंत्र लेगे।

अखिल भारतीय दण्डी सन्यासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्माश्रम महराज ने बताया कि गुरु-शिष्य परंपरा दीक्षा कार्यक्रम से मजबूत होती है और नये संबंध बनते है इससे सनातन परंपरा और गुरू - शिष्य परंपरा को मजबूती मिलती है।

किन्नर महामण्डलेश्वर ने दण्डीस्वामी से लिया आशीर्वाद, पूजन कर किया उन्नति की कामना

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। किन्नर अखाडा की महामण्डलेश्वर और उप्र किन्नर वेलफेयर बोर्ड की वरिष्ठ सदस्य स्वामी कन्केश्वरी नंद गिरि (किरन बाबा) आज माघ मेला के सेक्टर -6 में लगे किन्नर अखाड़ा पहुंची जहां शिष्यों ने भव्य स्वागत किया। वहां पर बडी संख्या में शिष्यों को आशीर्वाद दिया। वह मां कामाख्या के बनाये गये पूजन, हवन में शामिल हुई। अखिल भारतीय दण्डी संन्यासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्माश्रम महराज से भेटकर आशीर्वाद लिया और अंगवस्त्रम से सम्मानित किया। इस दौरान सनातन धर्म और बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे हमलों पर चिंता व्यक्त करते हुए भारत सरकार से हस्तक्षेप की मांग किया है। किन्नर अखाडा की महामण्डलेश्वर और उप्र किन्नर वेलफेयर बोर्ड की वरिष्ठ सदस्य स्वामी कन्केश्वरी नंद गिरि (किरन बाबा) ने शाम को संगम, मां गंगा, तीर्थराज प्रयागराज और भगवान वेणी माधव का पूजन कर सभी के कल्याण और उन्नति की कामना किया।

मां सीता रसोई के भण्डारे में हजारों श्रद्धालु ग्रहण कर रहे भण्डारे का प्रसाद

माघी पूर्णिमा तक चलता रहेगा विशाल भण्डारा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मां सीता रसोई की ओर से माघ मेला क्षेत्र में कई स्थानों पर विशाल भण्डारे में हजारों श्रद्धालु प्रतिदिन भण्डारे का प्रसाद ग्रहण कर रहे है। यह भण्डारा माघ मेला क्षेत्र के सभी सेक्टरों में दिन, रात चल रहा है जो माघी पूर्णिमा तक चलता रहेगा।

मा सीता रसोई की डायरेक्ट श्रीमती मनप्रीत कौर ने बताया कि माघ मेला क्षेत्र के सभी सेक्टरों में पौष पूर्णिमा से दिन, रात विशाल भण्डारा शुरू हो गया है जहां प्रतिदिन हजारों लोग परिवार सहित विशाल भण्डारे मे प्रसाद ग्रहण कर रहे है। उन्होंने बताया कि भण्डारे में रोटी, सब्जी, चावल, दाल, पूडी, कचौडी, तहरी, राजमा, खीर, रसगुल्ला सहित अन्य खाध सामग्रियां दी जा रही है। मा सीता रसोई की डायरेक्ट श्रीमती मनप्रीत कौर ने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर लोगों में ठण्डक के कपडे भी बांटे जा रहे है जिससे कि उनको ठंडक मे परेशानी ना होने पाए। उल्लेखनीय है कि मा सीता रसोई की डायरेक्ट श्रीमती मनप्रीत कौर की ओर से अयोध्या धाम, मथुरा और वृन्दावन में कई वर्ष से विशाल भण्डारा चल रहा है जहां हजारों लोग प्रतिदिन भण्डारे का प्रसाद ग्रहण कर रहे है। तीर्थराज प्रयागराज के महाकुम्भ -2025 मे मा सीता रसोई की ओर से माहभर दर्जनभर स्थानों पर विशाल भण्डारा दिन, रात चलता रहा जहां लाखों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर ठण्डक से बचने के लिए गर्म कपडे भी लिए।

तुम से तुम तक में रवजीत सिंह की एंट्री डॉ. मोहित के किरदार से कहानी में आएंगे नए मोड़

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। ज़ी टीवी का पॉपुलर शो तुम से तुम तक जिसमें शरद केलकर और निहारिका चौकसे अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं, टीआरपी चार्ट्स पर लगातार राज कर रहा है और टॉप फाइव शोज़ में अपनी जगह बनाए हुए है। अपनी दिल छू लेने वाली कहानी और कलाकारों के दमदार अभिनय के चलते ये शो दर्शकों के दिलों के काफी करीब पहुंच चुका है। फिलहाल कहानी ने एक भावुक मोड़ लिया है, जहां अनु को ये सच्चाई पता चलती है कि आर्यवर्धन पहले शादीशुदा था और उसकी पत्नी राजनंदिनी अब इस दुनिया में नहीं है। इस सच के सामने आने से जहां अनु को आर्यवर्धन के अतीत को समझने का मौका मिलता है, वहीं मीरा के मन में उलझन और जलन बढ़ने लगती है, क्योंकि वो अनु और आर्यवर्धन के बीच बढ़ती नजदीकियों को साफ महसूस करने लगती है। इससे कहानी में हलचल और बढ़ जाती है। इसी बीच शो में एक नए किरदार की एंट्री होने जा रही है, जो कहानी में ताजगी और दिलचस्प मोड़ लेकर आएगा। एक्टर रवजीत सिंह शो में डॉ. मोहित के किरदार में शामिल हो चुके हैं, जो एक संवेदनशील और बेहद काबिल हार्ट सर्जन हैं।

मंत्री ने भ्रमण कर जाना क्षेत्र का हाल, पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, व्यापारियों एवं समर्थकों से की मुलाकात

मजदूरों के सशक्तिकरण, सम्मान के साथ आजीविका और रोजगार की गारण्टी है विकसित भारत जी रामजी विधेयक - नन्दी

अधिकारियों को मूलभूत सुविधाओं के साथ ही विकास कार्यों को बेहतर बनाने के दिए निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने मंगलवार को अपने प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के सालिकगंज मंडी, गंगाराम व्यायामशाला क्षेत्र, विजयपुर की कोठी, मालवीय नगर, आजाद नगर, रामबाग, बैरहना, चौखण्डी, पूरावल्दी कीडगंज, कृष्णा नगर कीडगंज आदि क्षेत्रों में भ्रमण कर पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, व्यापारियों, स्थानीय लोगों, परिवार के सदस्यों एवं समर्थकों से मुलाकात कर सभी का कुशलक्षेम जाना। क्षेत्र में हुए विकास कार्यों के साथ ही समस्याओं के बारे में लोगों से जानकारी ली। अधिकारियों को मूलभूत सुविधाओं के साथ हीं विकास कार्यों को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गरीब कल्याण के साथ ही मजदूरों को सशक्त बनाने, सम्मान के साथ आजीविका और रोजगार की गारण्टी के लिए पारित विधेयक विकसित भारत जी राम जी पर चर्चा की।

मंत्री नन्दी ने अपने प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में पैदल ही भ्रमण किया। लोगों के घरों और दुकानों पर जाकर मुलाकात की। हालचाल जाना और समस्याओं के बारे में पूछा। लोगों से मुलाकात के साथ ही मंत्री नन्दी ने बूथ अध्यक्ष 28 विजय लक्ष्मी, बूथ अध्यक्ष 26 सुभाष चंद्र जायसवाल, बूथ अध्यक्ष 27 हर्षित केसरवानी, सौरभ चौरसिया, बूथ अध्यक्ष 212 उत्कर्ष श्रीवास्तव, सेक्टर संयोजक रंजीत कुमार सोनकर, बूथ अध्यक्ष 230 सुधांशु भूषण जायसवाल, बूथ अध्यक्ष 275 अमन निषाद, बूथ अध्यक्ष 276 कृष्ण कुमार केसरवानी, संजीव जायसवाल, पवन प्रताप सिंह के घर जाकर परिवारजनों से मुलाकात की। इस दौरान मुट्ठीगंज मंडल अध्यक्ष परमानन्द वर्मा, पूर्व मंडल अध्यक्ष किशोरी लाल जायसवाल, सेक्टर संयोजक रवि केसरवानी, मंडल अध्यक्ष कीडगंज कबीर जायसवाल, पूर्व मंडल अध्यक्ष राघवेंद्र मिश्रा, सेक्टर संयोजक महानन्द श्रीवास्तव, संतोष दुबे, राहुल कपूरिया, रमेश केसरवानी, मनोज गुप्ता आदि मौजूद रहे।

मंदिर ऐप से काशी के मंदिरों की महिमा का वैश्विक विस्तार

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। हजारों वर्षों से आस्था और अध्यात्म का केंद्र रही काशी आज डिजिटल माध्यम से दुनिया के कोने-कोने तक पहुँच रही है। मंदिर ऐप के माध्यम से अब देश और विदेश में रहने वाले लाखों श्रद्धालु बनारस के प्रमुख और पारंपरिक मंदिरों में पूजा, दर्शन और चढ़ावा अर्पित कर पा रहे हैं। मंदिर ऐप ने वाराणसी के कई महत्वपूर्ण मंदिरों को वैश्विक श्रद्धालुओं से जोड़ा है, जिनमें पिशाच मोचन कुंड, बटुक भैरव मंदिर, आदि काल भैरव, गौरी केदारेश्वर मंदिर और दुर्गा कुंड मंदिर शामिल हैं। इन मंदिरों के माध्यम से अब श्रद्धालु अपनी आस्था को डिजिटल रूप से जीवंत अनुभव कर पा रहे हैं। मंदिर के संस्थापक एवं सीईओ प्रशांत सचान ने कहा हमारा उद्देश्य काशी की भक्ति को हर श्रद्धालु के द्वार तक पहुँचाना है। तकनीक के माध्यम से हम न केवल ओवरटूरिज्म जैसी समस्याओं का समाधान कर रहे हैं, बल्कि उन लाखों लोगों को भी आस्था से जोड़ रहे हैं, जो किसी कारणवश मंदिर नहीं आ पाते। मंदिर काशी की आध्यात्मिक विरासत को सहेजते हुए उसे वैश्विक मंच पर ले जाने का प्रयास है।

सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र में दो दिवसीय प्राकृतिक चिकित्सा शिविर संपन्न

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर पंडिला में हृदयाणंद कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंस, भोपाल के संस्थापक एवं प्रसिद्ध प्राकृतिक चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. रमेश तेवानी द्वारा दो दिवसीय प्राकृतिक चिकित्सा एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य सीआरपीएफ कार्मिकों एवं उनके परिजनों को प्राकृतिक जीवनशैली, संतुलित आहार और योग के माध्यम से स्वस्थ रहने के प्रति जागरूक करना रहा।शिविर को संबोधित करते हुए डॉ. रमेश तेवानी ने कहा कि स्वस्थ पाचन तंत्र संपूर्ण शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य की आधारशिला है। यदि पाचन तंत्र सुचारु रूप से कार्य करता है तो शरीर स्वतः रोगों से लड़ने में सक्षम हो जाता है। उन्होंने पाचन तंत्र को किसी भी प्रकार के अवरोध (कंजेशन) से मुक्त रखने पर विशेष बल देते हुए तीन महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. तेवानी ने कहा किभूख लगने पर ही भोजन करना चाहिए, अनावश्यक या समय से पहले भोजन करने से पाचन तंत्र पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है।प्रसंस्कृत (प्रोसेस्ड) भोजन से बचते हुए प्राकृतिक खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता देनी चाहिए, चाहे वह घर की रसोई में तैयार हों या फैक्ट्री में निर्मित हों।शौच की प्राकृतिक इच्छा को कभी नहीं रोकना चाहिए, क्योंकि ऐसा करने से पाचन तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और कई गंभीर रोग उत्पन्न हो सकते हैं।

दो दिवसीय प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग शिविर में सीआरपीएफ के अधिकारियों, जवानों तथा उनके परिजनों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की शिविर के दौरान प्रतिभागियों को योगासन, प्राणायाम तथा प्राकृतिक उपचार पद्धतियों की जानकारी दी गई।

अंत में उपस्थित कार्मिकों द्वारा पूछे गए सवालों का डॉ. तेवानी ने सरल एवं विस्तारपूर्वक उत्तर दिया।इस अवसर पर डॉ. तेवानी ने कुछ दीर्घकालिक रोगों से ग्रस्त व्यक्तियों की जांच भी की तथा उन्हें प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से उपचार एवं जीवनशैली में बदलाव के उपाय बताए।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से ग्रुप केंद्र के डीआईजी धीरज कुमार, उप कमांडेंट राकेश त्रिपाठी, श्रीनिवास के.के. झा, सहायक कमांडेंट अविनाश राय, शैलेश सिंह सहित ग्रुप केंद्र के तमाम अधिकारी, जवान, कार्मिक एवं महिलाएं उपस्थित रहीं।

शूआट्स फैकल्टी ने बरेली में यू पी स्टेट मिक्स्ड डबल्स बैडमिंटन खिताब जीता

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। शूआट्स के लिए गर्व का पल, क्योंकि प्रो. डॉ. सी जॉन वेस्ली, एडिशनल रजिस्ट्रार और एथलेटिक्स कमेटी के चेयरमैन ने प्रयागराज जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए, हाल ही में बरेली में 9 से 11 जनवरी 2026 तक हुई योनेक्स सनराइज उत्तर प्रदेश स्टेट मास्टर्स चैंपियनशिप 2026 में 40+ कैटेगरी में गाजियाबाद के आदित्य पटवाल के साथ मिलकर मिक्स्ड डबल्स मास्टर्स बैडमिंटन चैंपियनशिप जीत ली है। डॉ. वेस्ली और ओलंपियन अभिन श्याम गुप्ता अर्जुन अवार्डी के साथ मिलकर मेन्स डबल्स कैटेगरी में रनर अप रहे। शूआट्स के कुलपति प्रो डा राजेंद्र बी लाल ने इस उपलब्धि के लिए डॉ. सी जॉन वेस्ली को बधाई दी, उन्होंने कहा कि डॉ. सी जॉन वेस्ली छात्रों और फैकल्टी के लिए प्रेरणा हैं। प्रोफेसर वेस्ली ने पहले भी कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बैडमिंटन ट्रॉफियां जीती हैं।

माघ मेले में राष्ट्रीय परशुराम परिषद के जन-कल्याण शिविर का भव्य आगाज़

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। तीर्थराज प्रयाग में संगम की रेती पर आयोजित माघ मेला क्षेत्र में मंगलवार को राष्ट्रीय परशुराम परिषद के तत्वावधान में मेला एवं जन-कल्याण शिविर का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन परिषद के संस्थापक सुनील भराला और पूर्व सांसद डॉ. विनोद सोनकर ने संयुक्त रूप से फीता काटकर, नन्ही कन्या अवनी गौर का पूजन कर और नारियल फोड़कर किया।

इस अवसर पर परिषद के संस्थापक सुनील भराला ने कहा कि भगवान परशुराम केवल एक योद्धा नहीं, बल्कि अन्याय और असमानता के विरुद्ध न्याय और मर्यादा के प्रतीक थे। डॉ. विनोद सोनकर ने उनके जीवन को समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए कहा कि उनके आदर्शों पर चलकर ही समाज में सद्भावना स्थापित की जा सकती है। पूर्व कुलपति डॉ. राजाराम यादव ने एक महत्वपूर्ण जानकारी साझा करते हुए बताया कि केंद्र सरकार अब भगवान परशुराम की अंतरराष्ट्रीय अवधारणा पर शोध को बढ़ावा दे रही है, जिससे देश की आर्थिक और सांस्कृतिक स्थिति में क्रांतिकारी बदलाव आएंगे।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रो. भागवत शरण शुक्ला, रश्मि उपाध्याय, मनीष विश्वकर्मा, क्षेत्रीय अध्यक्ष अभिषेक दुबे (गणेश), प्रांजल अग्रहरि, रामबहादुर मिश्रा एडवोकेट, और सोनू पंडित ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। साथ ही रमेश प्रसाद अवस्थी, केके द्विवेदी, अशोक, प्रदेश उपाध्यक्ष नवीन शुक्ला, रामराज्य, आशीष शुक्ला और पं. अनुराग गौर ने भी विचार रखे। जिला अध्यक्ष आस्तिक शुक्ला ने अतिथियों का स्वागत किया। आयोजन में जिला महामंत्री आदित्य प्रताप सिंह, संदीप शुक्ला, निलेश मिश्रा, सत्येन्द्र शर्मा, दीपक विश्वकर्मा, मोंटी राजपूत, रवि राय, हिमांशु, अश्वनी दुबे, बृजेश विश्वकर्मा, पप्पू यादव, सौरभ पांडेय और मीडिया प्रभारी आकांक्षा शुक्ला सहित अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी ने इस शिविर को समाज सेवा के लिए एक सराहनीय कदम बताया।

आचार संहिता उल्लंघन पर सियासी घमासान

दो गुटों के उम्मीदवारों समेत 80-90 कार्यकर्ताओं पर केस

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन और अवैध रूप से भीड़ जुटाने को लेकर भिवंडी शहर में राजनीतिक बवाल मच गया है। शहर पुलिस ने दो राजनीतिक गुटों के उम्मीदवारों और उनके समर्थकों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। यह कार्रवाई 12 फरवरी की रात कामतघर इलाके के भाग्यनगर में हुई घटना के बाद की गई।

पुलिस के अनुसार, निर्दलीय उम्मीदवार नितेश ऐनकर और उनके समर्थक मयूर चौधरी सहित करीब 40 से 50 कार्यकर्ता तथा भाजपा प्रत्याशी श्याम अग्रवाल के पुत्र कुशाग्र अग्रवाल और केशव अग्रवाल के साथ उनके भी 40 से 50 समर्थक उसी स्थान पर देर रात अवैध रूप से एकत्र होकर प्रचार गतिविधियां चला रहे थे। दोनों गुटों द्वारा भारी भीड़ जमा किए जाने से इलाके का माहौल तनावपूर्ण हो गया और कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका पैदा हो गई।

पुलिस हवलदार समाधान भोसले द्वारा दर्ज शिकायत में कहा गया है कि चुनाव आचार संहिता लागू होने के बावजूद दोनों पक्षों ने किसी भी सक्षम प्रशासनिक प्राधिकारी से अनुमति नहीं ली थी। इतना ही नहीं, मौके पर धारा 144 (जमावबंदी) लागू होने के बावजूद उसका भी खुलेआम उल्लंघन किया गया।

शहर पुलिस ने निर्दलीय उम्मीदवार नितेश ऐनकर, मयूर चौधरी और उनके 40-50 अज्ञात कार्यकर्ताओं के साथ-साथ भाजपा पक्ष से श्याम अग्रवाल, कुशाग्र अग्रवाल, केशव अग्रवाल और उनके 40-50 समर्थकों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं तथा महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

पुलिस ने घटनास्थल से जुड़े ई-साक्ष्य भी संकलित किए हैं। मामले की जांच पुलिस उपनिरीक्षक सुरेश ढोले कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी आरोपियों की भूमिका की गहन जांच की जा रही है और आगे की कार्रवाई उपलब्ध सबूतों के आधार पर की जाएगी।

तेज रफ्तार कार ने बुजुर्ग को रौंदा, चालक फरार, केस दर्ज

भिवंडी। शांतिनगर पुलिस थाने की सीमा में तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने का एक गंभीर मामला सामने आया है। अज्ञात कार चालक द्वारा मोटरसाइकिल सवार बुजुर्ग को जोरदार टक्कर मारने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, घायल की पहचान रमेश बुधाजी भोईर (60) के रूप में हुई है, जो भिवंडी के भादवड गांव स्थित स्वप्नलोक बिल्डिंग में रहते हैं। घटना 11 जनवरी की शाम करीब 6.30 बजे की है। भोईर अपनी मोटरसाइकिल से पाइपलाइन रोड की ओर जा रहे थे। इसी दौरान भादवड तालाब के पास, चिंतामणि टावर्स के सामने एक सिल्वर रंग की वैगन-आर कार के चालक ने तेज और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि भोईर सड़क पर जा गिरे। हादसे में उनके दाहिने पैर की हड्डी फ्रैक्चर हो गई, जबकि दोनों घुटनों और बाएं गाल पर गंभीर चोटें आई हैं। दुर्घटना के बाद आरोपी चालक कार लेकर मौके से फरार हो गया। पीड़ित की शिकायत पर शांतिनगर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के साथ-साथ मोटर वाहन अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज और ई-साक्ष्य के आधार पर फरार कार चालक की पहचान करने का प्रयास कर रही है।मामले की आगे की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक पोटे कर रहे हैं।

पुरानी रंजिश बनी हिंसा की वजह, दो गुटों में जमकर मारपीट, पांच लोग घायल

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी के अंजुरफाटा इलाके में आपसी रंजिश ने हिंसक रूप ले लिया। नारपोली पुलिस स्टेशन की सीमा में दो गुटों के बीच हुई भीषण मारपीट में दोनों पक्षों के कुल पांच लोग घायल हो गए। पुलिस ने दोनों ओर से मिली शिकायतों के आधार पर क्रॉस केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, यह घटना 12 जनवरी की रात करीब 12.30 बजे अंजुरफाटा स्थित महावीर चौक के पास हरिओम बिल्डिंग के सामने हुई। इस मामले में पहली शिकायत केतन अशोक पाटील (41) ने दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि निलेश चौधरी, दिलीप, योगेश, मोनिष शरद म्हात्रे, देवानंद मणीलाल म्हात्रे और उमेश ने उनके चचेरे भाई गजानन पाटील के बंद पड़े स्कूटर को लेकर विवाद के दौरान पहले गाली-गलौज की और बाद में लाठी-डंडों व हाथों से हमला कर दिया। इस हमले में केतन पाटील, गजानन पाटील, प्रशांत पाटील और परेश म्हात्रे घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

वहीं, दूसरे पक्ष की ओर से योगेश हरिशचंद्र चौधरी ने भी नारपोली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। योगेश का आरोप है कि केतन पाटील, गजानन पाटील, प्रशांत पाटील, परेश म्हात्रे और उनके साथियों ने उन पर और उनके परिवार के सदस्यों पर हमला किया, जान से मारने की धमकी दी और इलाके में दहशत फैलाने की कोशिश की। नारपोली पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत क्रॉस एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस ने घटनास्थल से जुड़े ई-साक्ष्य भी संकलित किए हैं। मामले की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक महेंद्र पाटील कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि इलाके में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है और जांच के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पारिवारिक कलह ने लिया हिंसक मोड़, बेटे पर पिता पर चाकू से हमला करने का आरोप

भिवंडी। नारपोली पुलिस स्टेशन की सीमा में पारिवारिक विवाद से जुड़ा एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां घरेलू कलह के चलते एक बेटे पर अपने ही पिता के साथ बेरहमी से मारपीट करने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपी बेटे के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता सुरेश रोहिदास गायसमुद्रे (45), निवासी अंबेडकर नगर, पटेल कंपाउंड, भिवंडी का अपनी पत्नी के साथ लंबे समय से घरेलू विवाद चल रहा था। इसी विवाद के दौरान 12 जनवरी की शाम करीब 7 बजे महावीर चौक स्थित एक फल विक्रेता की दुकान के सामने मामला अचानक हिंसक हो गया। आरोप है कि सुरेश के बेटे रोहित गायसमुद्रे (24) ने पहले गाली-गलौज की और फिर अपने पिता पर चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में सुरेश गायसमुद्रे को गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़ित की शिकायत के आधार पर नारपोली पुलिस ने आरोपी रोहित गायसमुद्रे के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

महिला का ऑफिस में उत्पीड़न और धमकी का मामला दर्ज

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी में महिला सुरक्षा को लेकर एक गंभीर मामला सामने आया है। शांतिनगर पुलिस थाने में एक युवक के खिलाफ महिला कर्मचारी से छेड़छाड़ करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि आरोपी ने अपने ही ऑफिस परिसर में महिला के साथ अश्लील हरकतें कीं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पीड़िता (23) भिवंडी की एक सोसाइटी में रहती है और निजी क्षेत्र में कार्यरत है। आरोपी की पहचान श्रीकांत काथोड़ भोईर के रूप में हुई है, जो अरिहंत सिटी, टेमघरपाडा, भिवंडी का निवासी बताया गया है। शिकायत के मुताबिक, गणेशोत्सव 2024 के दौरान और इसके बाद मार्च 2025 में आरोपी ने अरिहंत सिटी स्थित अपने ऑफिस में पीड़िता के साथ अश्लील व्यवहार किया। आरोप है कि आरोपी ने महिला का हाथ पकड़कर उसे जबरन खींचा और उसके शरीर को छूकर अभद्र हरकतें कीं, जिससे पीड़िता को मानसिक प्रताड़ना, अपमान और शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा। इतना ही नहीं, पीड़िता का आरोप है कि जब उसने इस बारे में किसी को बताने की बात कही, तो आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी, जिससे वह काफी समय तक डर और दबाव में रही। पीड़िता की शिकायत पर शांतिनगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 74, 351(2) सहित अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मामले की आगे की जांच पुलिस उपनिरीक्षक ओमासे कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है।

चुनावी प्रचार को लेकर भिड़ंत, दरगाह रोड पर मारपीट, तीन आरोपियों पर केस

भिवंडी। भिवंडी में चुनावी माहौल के बीच प्रचार को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दरगाह रोड इलाके में कांग्रेस पार्टी के प्रचार के दौरान हुई मारपीट के मामले में भोईवाडा पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ जानलेवा हमले और मारपीट का मामला दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता आलम मुनिर अहमद फारूकी (37), पेशे से सिविल इंजीनियर और दरगाह रोड क्षेत्र के निवासी हैं। घटना 12 जनवरी की रात करीब 11.30 बजे की है, जब इलाके में कांग्रेस पार्टी का प्रचार चल रहा था। इसी दौरान फारूकी ने कथित तौर पर प्रचार के तरीके पर आपत्ति जताते हुए कहा कि 'तुम गलत तरीके से प्रचार कर रहे हो।' इसी बात से नाराज होकर कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन में प्रचार कर रहे फहीम कय्यूम मलिक, नदीम कय्यूम मलिक और समीर मोहम्मद शफीक मोमिन मौके पर पहुंचे और विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि तीनों ने पहले आलम फारूकी के साथ गाली-गलौज की, फिर उन्हें धक्का दिया। इसी दौरान समीर मोमिन ने किसी धारदार वस्तु से फारूकी के सिर पर वार कर दिया, जिससे वह घायल हो गए। पीड़ित की शिकायत पर भोईवाडा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 118(1), 352 और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को हिरासत में लिया था, जिन्हें बाद में नोटिस देकर रिहा कर दिया गया। मामले की आगे की जांच पुलिस उपनिरीक्षक शिवराज मोटे कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि चुनावी माहौल को देखते हुए इलाके में अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है।

भिवंडी में आचार संहिता उल्लंघन, बिना अनुमति प्रचार करने पर केस दर्ज

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। पालिका चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने का मामला भिवंडी शहर पुलिस थाने में दर्ज किया गया है। पुलिस ने बिना वैधानिक अनुमति चुनाव प्रचार सामग्री बांटने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत मामला कायम किया है. पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान राहुल मिलिंद वाघमारे (33) के रूप में हुई है, जो भिवंडी के कामतघर इलाके में स्थित बाराला देवी अपार्टमेंट, गणेश नगर का निवासी है। इस संबंध में पुलिस शिपाई राजेश खंड मोरे ने शिकायत दर्ज कराई है।

शिकायत के मुताबिक, 12 जनवरी की शाम करीब 5 बजे गणेश नगर स्थित बारालादेवी अपार्टमेंट के सामने सड़क किनारे आरोपी एक उम्मीदवार से जुड़ी प्रचार सामग्री बांटते हुए पाया गया। आरोप है कि वह उम्मीदवार नितेश ऐनकर के समर्थन में प्रचार कर रहा था। मौके पर आरोपी ने एक टेबल लगाकर उसके पास 4 से 5 कुर्सियां रखी थीं और प्लास्टिक सिलेंडर व उन पर लगे प्रतीक चिह्नों वाले कागजी पर्चे राहगीरों और स्थानीय नागरिकों में वितरित कर रहा था।पुलिस का कहना है कि चुनाव आचार संहिता लागू होने के बावजूद आरोपी ने किसी भी सक्षम प्राधिकारी से पूर्व अनुमति नहीं ली थी, जो कानून का सीधा उल्लंघन है। इसी आधार पर उसके खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।इस मामले की जांच पुलिस उपनिरीक्षक संदीप रामराजे कर रहे हैं। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि आरोपी किसी राजनीतिक दल या उम्मीदवार के निर्देश पर प्रचार कर रहा था या नहीं।

पत्नी की गला दबाकर हत्या, फिर गेहूं के खेत में फेंका शव, दोस्त के साथ मिलकर रची थी साजिश

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मथुरा में थाना रिफाइनरी पुलिस ने 15 दिन पूर्व हुई एक महिला की सनसनीखेज हत्या का खुलासा करते हुए मृतका के पति और उसके शातिर अपराधी मित्र को गिरफ्तार कर लिया है। सोमवार देर रात बरेली हाईवे बाईपास पर हुई पुलिस मुठभेड़ के दौरान एक आरोपी पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के अनुसार, बीते 28 दिसंबर 2025 को थाना रिफाइनरी क्षेत्र के अंतर्गत रांची बांगर से करनावल रोड पर एक गेहूं के खेत में करीब 40 वर्षीय अज्ञात महिला का शव मिला था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से मृतका की शिनाख्त अनीता पत्नी राकेश, निवासी फतेहपुरा (थाना बलदेव) के रूप में हुई। मुखबिर की सटीक सूचना पर थाना रिफाइनरी पुलिस टीम ने सोमवार रात करीब 9:45 बजे बरेली हाईवे बाईपास के पास घेराबंदी की। खुद को घिरा देख बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में अभियुक्त ललित उर्फ मंगल पैर में गोली लगने से घायल हो गया।

पुलिस ने मौके से मृतका के पति राकेश और ललित दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में सामने आया कि राकेश ने अपने दोस्त ललित के साथ मिलकर पत्नी की हत्या की साजिश रची थी। 27 दिसंबर की रात दोनों अनीता को लेकर रांची बांगर रोड पर पहुंचे और वहां सुनसान खेत में ललित के हुड (जैकेट) के कॉलर में लगे फीते (स्ट्रिप) से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शव को गेहूं के खेत में फेंककर फरार हो गए।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी ललित उर्फ मंगल एक हिस्ट्रीशीटर अपराधी है। उस पर मथुरा के विभिन्न थानों में लूट, हत्या के प्रयास, चोरी, आर्म्स एक्ट और गुंडा एक्ट जैसे 19 गंभीर मामले दर्ज हैं। वहीं मृतका के पति राकेश पर भी हत्या और पुलिस मुठभेड़ के मुकदमे दर्ज किए गए हैं।

जनकल्याण हेतु हमारे पूर्वजों ने अपने शरीर को बनाया प्रयोगशाला-प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज में त्रिदिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन आज दिनांक 13 जनवरी को परिसर के मुख्य सभागार में सम्पन्न हुआ।

समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी, पूर्व कुलपति, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, सारस्वतातिथि प्रो. के.रामचन्द्र रेड्डी, कुलपति, महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय, गोरखपुर, विशिष्ट अतिथि प्रो. केदारनाथ, प्राचार्य, लाल बहादुर शास्त्री स्मारक राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, हण्डिया, प्रयागराज ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति एवं सारगर्भित सम्बोधन से छात्र-छात्राओं को आयुर्वेद की समृद्ध परम्परा से परिचित कराया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष प्रो. गिरीन्द्र सिंह तोमर ने की। संस्थान के प्रभारी निदेशक डॉ रामकृष्ण पाण्डेय ने आयुर्वेद को हर घर की रसोई में विद्यमान बताया ।

मुख्य अतिथि प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी ने आयुर्वेद एवं संस्कृत के प्रगाढ़ सम्बन्ध की शास्त्राधारित चर्चा की। उन्होंने पूर्वजों द्वारा स्वयं के शरीर को प्रयोगशाला बनाकर आयुर्वेद के रहस्यों को जनकल्याण हेतु प्रस्तुत किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रो. गिरीन्द्र सिंह तोमर ने आयुर्वेद के क्षेत्र में हो रहे नित नये शोध को आयुर्वेद की लोकप्रियता का परिचायक बताया एवं हाल ही में दिल्ली में आयोजित आयुर्वेद सम्मेलन में अश्वगन्धा की विशिष्ट चर्चा की । उन्होंने कहा कि अश्वगंधा पर 20000 से भी अधिक शोध पत्रों के प्रकाशन का उल्लेख किया।

कार्यशाला के वैज्ञानिक सत्र में राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज हंडिया के शल्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अरुण कुमार सिंह ने बताया कि आयुर्वेद में शल्य चिकित्सा का इतिहास महर्षि सुश्रुत से जुड़ा हुआ है जिन्हें शल्य चिकित्सा का जनक कहा जाता है। महर्षि सुश्रुत ने शल्य प्रक्रियाओं, उपकरणों और तकनीकी जैसे मोतियाबिंद, प्लास्टिक सर्जरी का वर्णन किया।राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, हंडिया के चिकित्साधिकारी डॉ.अवनीश पांडेय ने जीवनशैली जन्य व्याधि में उपयोगी वैदिक कालीन वनौषधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

उपस्थित विद्वतजनों एवं छात्र-छात्राओं को परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने ऑनलाइन माध्यम से सम्बोधित करते हुए सभी को कार्यशाला की सफलता हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया।

इसके पूर्व कार्यशाला के संयोजक प्रो. देवदत्त सरोदे ने कार्यशाला का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए इसे अत्यधिक सफल बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. यशवन्त त्रिवेदी ने किया। इस अवसर पर प्रो. मनोज कुमार मिश्र, डॉ. अवनीश पाण्डेय, डॉ. सुरेश पाण्डेय, सुश्री अश्विनी लंके, श्री राजेशकान्त तिवारी समेत परिसरीय समस्त कर्मचारी एवं अधिकारीगण तथा देश के विभिन्न प्रान्तों से कार्यशाला में भाग लेने वाले शोधच्छात्र एवं प्राक्शोध पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राएँ समेत अन्य परिसरीय छात्र-छात्राएँ समुपस्थित रहे।

रालोद प्रदेश सचिव को सगे भतीजे ने मारी गोली, हालत गंभीर

संपत्ति बंटवारे को लेकर चल रहा था विवाद

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के बाराबंकी जिले के कुर्सी क्षेत्र में संपत्ति विवाद को लेकर राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के प्रदेश सचिव अफसर अली को उनके ही भतीजे ने गोली मार दी। पुलिस ने बताया कि अली को गंभीर हालात में लखनऊ के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत नाजुक है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि अफसर अली अपने गांव लोहराहर के पड़ोस में स्थित एक गांव में किसी परिचित के निधन पर अंतिम संस्कार में शामिल होने गये थे। उन्होंने बताया कि वहां से लौटने के बाद अली गांव की एक दुकान के पास ग्रामीणों से बातचीत कर रहे थे तभी उनका सगा भतीजा उबैद वहां पहुंचा और तमंचे से उन पर गोली चला दी। गोली के छर्रे सीने में लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों और ग्रामीणों ने तत्काल उन्हें लखनऊ स्थित राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

घटना की सूचना मिलते ही गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया। फतेहपुर के पुलिस क्षेत्राधिकारी जगतराम कनौजिया ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और परिजनों से पूछताछ की। कनौजिया ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला संपत्ति बंटवारे के पुराने विवाद से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी उबैद को गिरफ्तार कर लिया गया है और उससे गहन पूछताछ की जा रही है।

कोतवाल कृष्णकांत सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी ने पूछताछ में स्वीकार किया है कि उसका अपने चाचा अफसर अली से जमीन को लेकर विवाद था। इसी रंजिश के चलते उसने इस वारदात को अंजाम दिया। इस मामले में उबैद समेत चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। अफसर अली लंबे समय से राजनीति में सक्रिय हैं। वर्तमान में वह जयंत चौधरी के नेतृत्व वाली पार्टी राष्ट्रीय लोकदल में प्रदेश सचिव के पद पर कार्यरत हैं।

मेंथा फैक्टरी में 3 सुरक्षाकर्मियों की मौत, केबिन में पड़े मिले शव

परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के बदायूं जिले के उझानी थाना क्षेत्र के गांव कुड़ा नरसिंहपुर में स्थित एक मेंथा फैक्टरी में आज सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब यहां पर तीन सुरक्षाकर्मी मृत पाए गए। मृतकों में जोगेंद्र यादव, भानु यादव और विवेक यादव शामिल हैं। तीनों के शव फैक्टरी के केबिन में जमीन पर पड़े मिले। जानकारी मिलने पर फैक्टरी कर्मचारियों और ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई और हंगामा शुरू हो गया। सूचना पर उझानी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। बताया जा रहा है कि

यह फैक्टरी बैंक ऑफ बड़ौदा में बंधक है। जोगेंद्र यादव (30) निवासी बसावनपुर, भानु यादव (26) निवासी मुड़सैना और विवेक यादव फैक्टरी में सुरक्षा गार्ड के रूप में तैनात थे। जोगेंद्र यादव के परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। वहीं, पुलिस का कहना है कि तीनों शवों पर किसी तरह के चोट के निशान नहीं मिले हैं। केबिन के अंदर हीटर लगा हुआ था, इसलिए आशंका जताई जा रही है कि दम घुटने से उनकी मौत हुई हो सकती है।घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे हैं। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है। यह वही फैक्टरी है, जिसमें कुछ महीने पहले भीषण आग लग चुकी है।

गर्लफ्रेंड के साथ होटल गया, शराब पी और फिर कर दी हत्या; रात भर लाश के बगल में सोता रहा!

गाजियाबाद **(एजेंसी)**। पटेल नगर के एक होटल में अपनी गर्लफ्रेंड के साथ चेक-इन करने वाले 34 साल के एक मज़दूर पर आरोप है कि उसने अपनी गर्लफ्रेंड की हत्या कर दी, फिर रविवार सुबह पुलिस को फोन करने से पहले उसकी लाश के साथ सोया रहा। आरोपी, प्रवीण कुमार, जो नंदग्राम के सेवा नगर का रहने वाला है, ने रविवार सुबह करीब 7 बजे इमरजेंसी हेल्पलाइन पर फोन किया और बताया कि उसकी पार्टनर आरती की तबीयत खराब है। होटल पहुंची पुलिस टीम को कमरे में आरती मृत मिली। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में पता चला कि महिला की मौत 'मौत से पहले लगी चोटों से हुए शॉक और ब्लीडिंग' की वजह से हुई थी, जिसके बाद कुमार को हिरासत में ले लिया गया। डीसीपी (शहर) धवल जायसवाल ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में महिला की कई पसलियां टूटी हुई थीं, फेफड़े और लिवर फटे हुए थे, और छाती और पेट में अंदरूनी ब्लीडिंग हुई थी। उन्होंने कहा कि चोटों की गंभीरता से पता चलता है कि उस पर बेरहमी से हमला किया गया था। जांचकर्ताओं ने बताया कि आरती विधवा थी और गाजियाबाद में अपने 16 साल के बेटे दक्ष के साथ रहती थी। कुमार परिवार को जानता था और उसके दिवंगत पति रोहित कुमार का दोस्त था। एसीपी उपासना पांडे ने बताया कि कुमार ने जांचकर्ताओं को बताया कि वह आरती के साथ करीब डेढ़ साल से रिलेशनशिप में था, हालांकि वे 2022 से एक-दूसरे को जानते थे। पूछताछ के दौरान, कुमार ने दावा किया कि शनिवार शाम को, वे रात करीब 10 बजे पटेल नगर के होटल न्यू रॉयल किंग में गए थे। कपल्स ने रूम नंबर 207 में शराब और खाना खाया। बाद में, जब उसे आरती पर किसी दूसरे आदमी के साथ संपर्क में होने का शक हुआ, तो दोनों के बीच झगड़ा शुरू हो गया। पुलिस ने बताया कि विवाद बढ़कर हाथापाई तक पहुंच गया। कुमार के बयान के अनुसार, झगड़े के दौरान आरती ने कथित तौर पर उसे थप्पड़ मारा, जिसके बाद उसने मुक्कों और कोहनियों से उसे मारना शुरू कर दिया। उसने पुलिस को बताया कि खुद को बचाने की कोशिश में उसने उसके चेहरे पर खरोंच मारी, जिससे वह और गुस्सा हो गया। जांचकर्ताओं ने बताया कि कुमार ने माना कि उसने मुक्कों और कोहनियों से उसकी पसलियों के दोनों तरफ बार-बार मारा। यह हमला कथित तौर पर आधी रात के आसपास हुआ। पुलिस ने बताया कि आरती बेहोश हो गई और बिस्तर पर गिर गई। कुमार ने दावा किया कि उसने उसे हिलाकर जगाने की कोशिश की, लेकिन उसने कोई जवाब नहीं दिया।

आइस हॉकी लीग की सीजन 3 के साथ लद्दाख में वापसी, तारीखों का हुआ ऐलान

लेह (लद्दाख) **(एजेंसी)**। रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग सीजन 3, 29 जनवरी से 14 फरवरी 2026 तक लद्दाख में आयोजित की जाएगी। रॉयल एनफील्ड सोशल मिशन द्वारा, लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन और आइस हॉकी एसोसिएशन ऑफ लद्दाख के सहयोग से आयोजित इस सीजन में लीग के विस्तार की एक अहम झलक देखने को मिलेगी।

इस बार पुरुष और महिला दोनों वर्गों में व्यापक राउंड-रॉबिन फॉर्मेट अपनाया गया है, जिसमें प्रत्येक टीम कुल 75 मुकाबलों में एक-दूसरे से भिड़ेगी। यह लीग एक समग्र तकनीकी विकास कार्यक्रम का प्रतिस्पर्धात्मक चरण है, जिसकी शुरुआत दिसंबर 2025 में अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षक डैरिल ईसन के नेतृत्व में आइस हॉकी कोचों के प्रशिक्षण से हुई थी। इसके बाद प्रशिक्षित कोच अपने-अपने समुदायों में लौटकर प्रतिभाओं की पहचान करने और लीग में भागीदारी के लिए टीमों को व्यवस्थित रूप से प्रशिक्षित कर रहे हैं। इस प्रकार, यह लीग सामुदायिक स्तर पर प्रशिक्षण और संगठित, उच्च गुणवत्ता वाली प्रतिस्पर्धा के बीच एक मजबूत सेतु का कार्य करती है। आइशर ग्रुप फाउंडेशन की कार्यकारी निदेशक बिदिशा डे ने कहा, 'रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग की जड़ें सामुदायिक विकास में हैं। हमारा फोकस स्थानीय आजीविका को सशक्त बनाने, युवाओं और महिलाओं को अवसर देने और हिमालयी क्षेत्रों से उभरती प्रतिभाओं के लिए एक स्पष्ट मार्ग तैयार करने पर रहा है।

यह लीग संस्कृति और गर्व का उत्सव भी है, जहां खेल लंबे शीतकाल के दौरान समुदायों को एकजुट करता है और साझा पहचान तथा दृढ़ता की भावना को मजबूत करता है।' लेह में आयोजित यह टूर्नामेंट स्थानीय प्रतिभाओं के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बना हुआ है, जो खेल को नए क्षेत्रों तक विस्तार देता है और दूरदराज के हिमालयी समुदायों के खिलाड़ियों को संरचित लीग फॉर्मेट तथा पेशेवर रूप से प्रबंधित प्रतियोगिताओं का अनुभव प्रदान करता है। 2026 संस्करण में भाग लेने वाली टीमें लेह, नुब्रा, कारगिल, ज़ांस्कर, चांगथांग और आसपास के क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करेंगी। इस सीजन में खारू से दो नई टीमें-खारू ईगल्स (महिला) और खारू फाल्कन्स (पुरुष)-भी लीग में शामिल होंगी। लद्दाख में आइस हॉकी के विकास के लिए तैयार ब्लूप्रिंट के अनुरूप, यह लीग खेल के इकोसिस्टम को दीर्घकालिक रूप से मजबूत करने में केंद्रीय भूमिका निभाती है-जिसमें जमीनी स्तर की भागीदारी को प्रतिस्पर्धात्मक अवसरों से जोड़ा जाता है। लीग में भाग लेने वाले खिलाड़ी गांव और क्षेत्रीय प्रशिक्षण शिविरों से चुने जाते हैं, जिन्हें रॉयल एनफील्ड समर्थित क्षमता निर्माण पहलों के तहत प्रशिक्षित कोचों और अधिकारियों का मार्गदर्शन मिलता है।

खेल के इकोसिस्टम को और सशक्त बनाते हुए दिसंबर 2025 में पहली बार एक समर्पित रेफरी प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसका नेतृत्व इंटरनेशनल आइस हॉकी फेडरेशन के ऑफिशिएटिंग इंस्ट्रक्टर पीटर गेबी ने किया। इस पहल का उद्देश्य मैच संचालन के मानकों को ऊंचा उठाना, लीग के लिए पेशेवर गेम डिलीवरी सुनिश्चित करना और भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए प्रशिक्षित रेफरी तैयार करना है। खेल से परे, रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग लद्दाख में सामुदायिक जुड़ाव, युवाओं की भागीदारी और शीतकालीन पर्यटन को भी मजबूती प्रदान करती है।

मुकाबलों के दौरान जमी हुई रिंक सामूहिक सामुदायिक स्थलों में बदल जाती हैं, जहां परिवार, स्थानीय समर्थक और पर्यटक एक साथ जुटते हैं, और इस क्षेत्र में आइस हॉकी की गहरी सांस्कृतिक जड़ों को और मजबूत करते हैं। इस लीग के माध्यम से, रॉयल एनफील्ड अपने सोशल मिशन को आगे बढ़ाते हुए खेल के जरिए हिमालयी समुदायों को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है-स्थानीय खेल इकोसिस्टम को मजबूत करना, आजीविका के अवसर तैयार करना, युवाओं और महिलाओं के लिए मार्ग बनाना और पूरे हिमालय क्षेत्र में समग्र शीतकालीन खेल संस्कृति को बढ़ावा देना।

विंबलडन के पूर्व फाइनलिस्ट मिलोस राओनिच ने लिया संन्यास

ओटावा **(एजेंसी)**। विंबलडन के पूर्व फाइनलिस्ट मिलोस राओनिच ने टेनिस से संन्यास ले लिया है। राओनिच 2016 में विंबलडन में ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने वाले कनाडा के पहले पुरुष खिलाड़ी बने थे। उन्होंने सेमीफाइनल में रोजर फेडरर को 6-3, 6-7, 4-6, 7-5, 6-3 से हराया था लेकिन फाइनल में एंडी मरे से हार गए थे। उस वर्ष उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में भी जगह बनाई थी। वह उस वर्ष अपनी करियर की सर्वोच्च रैंकिंग तीन पर भी पहुंचे थे।

राओनिच ने एक्स पर लिखा, 'अपने सपनों को साकार करने और उन्हें पूरा करने का मौका पाकर मैं खुद को सबसे भाग्यशाली व्यक्ति मानता हूं। लेकिन अब अलविदा कहने का समय आ गया है। मैं टेनिस से संन्यास ले रहा हूं।' अपनी तीखी सर्विस के कारण 'मिसाइल' नाम पाने वाले राओनिच ने 2011 में पेशेवर बनने के बाद आठ एटीपी एकल खिताब जीते। इस 35 वर्षीय खिलाड़ी के नाम पर तीन सेट के मैच में सबसे अधिक ऐस (47) लगाने का रिकॉर्ड है, जो उन्होंने 2024 में क्वींस क्लब टूर्नामेंट में बनाया था। उन्होंने अपने करियर का अंतिम मैच पेरिस ओलंपिक में खेला था, जिसमें उन्हें पहले दौर में डोमिनिक कोप्फ़र से 7-6, 6-7, 6-7 से हार का सामना करना पड़ा था।

कोहली ने अपनी बल्लेबाजी में कोई तकनीकी बदलाव नहीं किया है, वनडे में शानदार फॉर्म पर बोले अश्विन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय क्रिकेट में विराट कोहली की वनडे फॉर्म में वापसी एक बार फिर चर्चा का विषय बन गई है। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में खेली गई उनकी प्रभावशाली पारी ने साबित कर दिया कि कोहली अब भी बड़े मौकों के खिलाड़ी हैं। इस बीच, पूर्व भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कोहली की बल्लेबाज़ी को लेकर एक दिलचस्प और गहरा नजरिया पेश किया है। अश्विन के मुताबिक, यह वापसी किसी तकनीकी बदलाव की नहीं, बल्कि मानसिक आजादी और खेल के आनंद की कहानी है।

वडोदरा में खेले गए पहले वनडे में विराट कोहली ने 91 गेंदों में 93 रनों की शानदार पारी खेली। वह अपने 85वें अंतरराष्ट्रीय शतक से महज सात रन दूर रह गए, लेकिन उनकी पारी भारत के 301 रन के सफल लक्ष्य को हासिल करने की नींव बन गई। 2023 के बाद पहली बार 90 के दशक में आउट हुए कोहली ने दिखा दिया कि उनकी क्लास और मैच अवेयरनेस अब भी शीर्ष स्तर पर है।

अपने यूट्यूब शो में बात करते हुए आर अश्विन ने कहा कि विराट कोहली ने अपनी बल्लेबाजी में कोई तकनीकी बदलाव नहीं किया है। अश्विन के अनुसार, फर्क सिर्फ इतना है कि कोहली अब बिना किसी मानसिक बोझ के खेल रहे हैं। अश्विन ने कहा कि जब खिलाड़ी अपने खेल का आनंद लेने लगता है और दिमाग पूरी तरह शांत होता है, तभी वह इस स्तर की निरंतरता दिखा पाता है। उनके मुताबिक, कोहली अब अपने अनुभव को बचपन की बेफिक्री के साथ जोड़कर बल्लेबाज़ी कर रहे हैं।

अश्विन का मानना है कि किसी भी खिलाड़ी के करियर के इस पड़ाव पर परफॉर्मेंस पूरी तरह मानसिक स्थिति पर निर्भर होती है। कोहली इस समय अपनी ज़िंदगी और क्रिकेट दोनों में सही जगह पर नज़र आ रहे हैं। यही कारण है कि दबाव भरे मौकों पर भी उनकी बल्लेबाज़ी में स्पष्टता और आत्मविश्वास दिखाई देता है। अक्टूबर 2025 में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी के बाद से विराट कोहली ने सात वनडे मैचों में 463 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 93.8 रहा है, जिसमें दो शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं।

वीनस विलियम्स होबार्ट में पहले दौर में बाहर

होबार्ट **(एजेंसी)**। वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलियाई ओपन को शुरू होने में अब जबकि एक सप्ताह से भी कम समय बचा है तब 45 वर्षीय वीनस विलियम्स फॉर्म हासिल करने के लिए जूझ रही है। वीनस मंगलवार को यहा होबार्ट इंटरनेशनल टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में तात्याना मारिया से 6-4, 6-3 से हार गईं। वीनस को साल के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के लिए वाइल्डकार्ड से प्रवेश दिया गया है। उन्हें होबार्ट में खेलने के लिए भी वाइल्डकार्ड मिला था, जहां वह लगभग डेढ़ घंटे तक चले मैच में छठी वरीयता प्राप्त मारिया से हार गईं। विश्व रैंकिंग में 576वें स्थान पर काबिज सात बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन वीनस पिछले सप्ताह न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में भी पहले दौर से आगे नहीं बढ़ पाई थीं। ऑस्ट्रेलियाई ओपन रविवार से शुरू होगा। होबार्ट में पहले दौर के एक अन्य मुकाबले में दो बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन बारबोरा क्रेज्सिकोवा को पेटन स्टर्न्स से 6-4, 1-6, 7-6 (4) से हार का सामना करना पड़ा।

एलिसा हीली का चौंकाने वाला बयान, टी20 विश्व कप से पहले भारत के खिलाफ खेलेगी आखिरी सीरीज

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली ने क्रिकेट से संन्यास लेने की चौंकाने वाली घोषणा कर दी है, जिससे उनके शानदार करियर का अंत हो जाएगा। हीली फरवरी-मार्च 2026 में भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज के बाद क्रिकेट से संन्यास ले लेंगी। हीली ने पॉडकास्ट 'विलॉ टॉक' पर कहा कि यह फैसला काफी समय से लंबित था। पिछले कुछ साल शायद मानसिक रूप से सबसे ज्यादा थकाने वाले रहे हैं। कई चोटें लगीं। मुझे फिर से क्रिकेट में उतरना पड़ा, और अब उसमें पानी कम होता जा रहा है। दोबारा उतरना मुश्किल होता जा रहा है।

एलिसा हीली ने कहा कि मुझे हमेशा से लगता रहा है कि मुझमें प्रतिस्पर्धा की भावना है - मैं प्रतिस्पर्धा करना चाहती हूं, जीतना चाहती हूं और मैदान पर खुद को चुनौती देना चाहती हूं। उम्र बढ़ने के साथ-साथ मुझे लगता है कि मैंने यह भावना पूरी तरह से तो नहीं खोई है, लेकिन कुछ हद तक खो दी है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि पिछले साल की डब्ल्यूबीबीएल मेरे लिए एक तरह से वेक-अप कॉल थी। दोनों हाथों से बल्ले को न पकड़ पाना भी मददगार नहीं था, लेकिन जागकर यह सोचना कि 'क्रिकेट का एक और दिन', वास्तव में मुझे आश्चर्यचकित कर दिया क्योंकि मुझे अब भी लगता था कि मुझे यह खेल खेलना बहुत पसंद है।

इस बीच, भारत फरवरी-मार्च में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगा, जिसमें तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच, तीन वनडे मैच और एक टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। हीली टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में नहीं खेलेंगी, लेकिन वनडे और वाका में खेले जाने वाले टेस्ट मैच में खेलकर अपने करियर का अंत करेंगी, जिसके दौरान उन्होंने आठ बार विश्व चैंपियन का खिताब जीता।

टी20 विश्व कप 2026 जून में इंग्लैंड में खेला जाएगा, और चूंकि हीली इस टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगी, इसलिए वह भारत के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में भी नहीं खेलेंगी। हीली ने कहा, 'विश्व कप से पहले डभारत के खिलाफ.उस सीरीज में कुछ बदलाव हो सकते हैं, और नेतृत्व को लेकर भी कुछ बातें हो सकती हैं। लेकिन मेरे लिए, घर पर खेलने का मौका, और उस सीरीज में टीम की कप्तानी करना वाकई खास होगा।'

रुपया शुरुआती कारोबार में पांच पैसे कमजोर होकर 90.22 प्रति डॉलर पर

मुंबई **(एजेंसी)**। रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में पांच पैसे कमजोर होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.22 पर आ गया। अमेरिकी डॉलर के मजबूत रुख, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से घरेलू मुद्रा पर दबाव पड़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 90.24 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती कारोबार में मामूली बढ़त के साथ 90.22 प्रति डॉलर पर कारोबार पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे की गिरावट दर्शाता है।

रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.17 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.73 पर रहा। घरेलू शेयर बाजार के मोर्चे पर सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 125.96 अंक या 0.15 प्रतिशत चढ़कर 84, 004.13 अंक पर जबकि निफ्टी 47.25 अंक या 0.18 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25, 837.50 अंक पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 0.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 64.05 डॉलर प्रति बैरल रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) सोमवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 3, 638.40 करोड़ रुपए के शेयर बेचे।

इलेक्ट्रॉनिक निर्यात 4 लाख करोड़ के पार 2026 में और तेज होगी रफ्तार : वैष्णव

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि भारत से इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों का निर्यात 2025 में चार लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि 2026 में यह रफ्तार और तेज होगी क्योंकि देश में चार सेमीकंडक्टर संयंत्र व्यावसायिक उत्पादन शुरू करने जा रहे हैं।

सोशल मीडिया पर साझा जानकारी में मंत्री ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक निर्यात में बढ़ोतरी से रोजगार सृजन हुआ है और विदेशी मुद्रा आय में भी मजबूती आई है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन लगभग 11.3 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया, जबकि निर्यात करीब 3.3 लाख करोड़ रुपए रहा।

देश के इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण क्षेत्र में फिलहाल मोबाइल फोन उद्योग का दबदबा बना हुआ है। उद्योग अनुमानों के मुताबिक, इस सेक्टर में 25 लाख से अधिक लोग रोजगार पा रहे हैं। मंत्री द्वारा साझा रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में भारत से आईफोन का निर्यात 2.03 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया, जो 2024 में एप्पल के 1.1 लाख करोड़ रुपए के निर्यात से लगभग दोगुना है।

मोबाइल निर्माताओं के संगठन इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक भारत में मोबाइल फोन का उत्पादन 75 अरब डॉलर (करीब 6.76 लाख करोड़ रुपए) तक पहुंच सकता है। इसमें से लगभग 30 अरब डॉलर (2.7 लाख करोड़ रुपए) का निर्यात होने की संभावना है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में देश में 5.5 लाख करोड़ रुपए के मोबाइल फोन का उत्पादन हुआ था और निर्यात करीब दो लाख करोड़ रुपए रहा।

बाजार अनुसंधान कंपनी काउंटरपॉइंट के सह-संस्थापक नील शाह के अनुसार, चीन पर अमेरिकी शुल्क के बाद एप्पल ने भारत में विनिर्माण का तेजी से विस्तार किया है, जिससे भारत वैश्विक निर्यात केंद्र के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि 2025 में भारत में बने हर चार स्मार्टफोन में से एक का निर्यात किया जाएगा।

वहीं, इंटरनेशनल डेटा कॉर्पोरेशन की रिपोर्ट के अनुसार, 2025 की तीसरी तिमाही में एप्पल ने घरेलू बाजार के लिए 50 लाख आईफोन की रिकॉर्ड आपूर्ति दर्ज की, जिससे प्रीमियम और सुपर-प्रीमियम स्मार्टफोन सेगमेंट में बाजार को मजबूती मिली।

अप्रैल-दिसंबर में निर्माण उपकरणों की घरेलू बिक्री 9 फीसदी घटी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ढांचागत गतिविधियों में नरमी और परियोजनाएं पूरा करने में मुश्किलें आने से चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में घरेलू बाजार में निर्माण उपकरणों की बिक्री नौ प्रतिशत घटकर 81, 566 इकाई रह गई। उद्योग निकाय आईसीईएमए ने सोमवार को यह जानकारी दी। भारतीय निर्माण उपकरण विनिर्माता संघ (आईसीईएमए) ने एक बयान में कहा कि पिछले साल इसी समय में बिक्री 89, 244 इकाई की हुई थी। हालांकि अप्रैल-दिसंबर, 2025 के दौरान देश से निर्माण उपकरणों का निर्यात 9, 733 इकाई से बढ़कर 12, 469 इकाई हो गया। कुल मिलाकर, आलोच्य अवधि में निर्माण उपकरणों की कुल बिक्री पांच प्रतिशत घटकर 94, 035 इकाई रह गई, जो एक साल पहले इसी समय में 98, 737 इकाई थी। आईसीईएमए के अध्यक्ष और जेसीबी इंडिया लिमिटेड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक दीपक शेट्टी ने कहा, "वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक घरेलू मांग सुस्त रही है। हमारे उद्योग का विकास काफी हद तक बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं पर निर्भर है, जहां हमें कुछ दिक्कतें पेश आईं।" हालांकि उद्योग संगठन ने कहा कि आने वाले बजट में मजबूत पूंजीगत व्यय आवंटन और सरकारी परियोजनाओं की स्वीकृति में तेजी की उम्मीद है।

पवन सिंह और नीलम गिरी की जोड़ी ने फिर मचाया धमाल, रिलीज होते ही छाया नया भोजपुरी गाना

भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। बिग बॉस 19 के फिनाले पर उन्होंने भोजपुरी एक्ट्रेस और सीजन 19 की कंटेस्टेंट नीलम गिरी के साथ स्टेज पर डांस किया था। दोनों की जोड़ी को लोगों ने कायूफी पसंद किया, और इसके बाद अब पावर स्टार नीलम के साथ अपना नया गाना लेकर आ चुके हैं। रिलीज के महज एक घंटे के अंदर ही यूट्यूब पर गाने ने मजबूत पकड़ बना ली है। आइए इस गाने के बारे में विस्तार से जानते हैं।

पवन सिंह का नाम भोजपुरी सिनेमा के चुनिंदा सितारों की लिस्ट में शामिल किया जाता है, जिनके अपकमिंग प्रोजेक्ट का सभी इंतजार करते हैं। सोमवार को उन्होंने नीलम गिरी के साथ अपना लेटेस्ट सॉन्ग यूट्यूब पर रिलीज किया। गाने का नाम 'मार दीही पाला' है। शिल्पी राज और पवन सिंह ने इस गाने को गाया है, और म्यूजिक वीडियो में नीलम गिरी के साथ पावर स्टार पवन सिंह की दमदार ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री देखने को मिली है। यूट्यूब पर रिलीज होते ही यह गाना चर्चा में आ गया है। इस रोमांटिक सॉन्ग में पवन और नीलम के डांस स्टेप को खूब पसंद किया जा रहा है। भोजपुरी म्यूजिक लवर्स दोनों की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री की सराहना कमेंट सेक्शन में कर रहे हैं। खास बात है कि यूट्यूब पर रिलीज होने के 1 घंटे के अंदर गाने को 1 लाख 37 हजार व्यूज मिल चुके हैं। डांस स्टेप की बदौलत पवन-नीलम की जोड़ी ने धमाल मचा दिया है। डीजे पर यह गाना अपनी खास जगह बना रहा है। बिग बॉस सीजन 19 में नजर आने के बाद नीलम गिरी की पॉपुलैरिटी और ज्यादा बढ़ गई है। इन दिनों एक्ट्रेस भोजपुरी सिनेमा के हिट कलाकारों के साथ काम करती नजर आ रही हैं। पवन सिंह के साथ उन्होंने बिग बॉस के फिनाले एपिसोड में स्टेज पर धमाकेदार डांस किया था, और इसके बाद अब वह उनके साथ गाने में स्क्रीन शेयर कर रही हैं। गौर करने की बात है कि लोगों ने दोनों की जोड़ी पर बेशुमार प्यार लुटाना शुरू कर दिया है।

'बहुत ज्यादा ड्रामा कर रही हैं' केआरके ने माही विज पर कसा तंज, नदीम को लेकर किए पोस्ट पर दिया रिएक्शन

जय भानुशाली की एक्स वाइफ और टीवी एक्ट्रेस माही विज इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं। कपल ने शादी के 14 साल बाद हाल ही में एक-दूसरे से शांति के साथ बिना किसी विवाद के अलग होने की घोषणा की। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने करीबी दोस्त नदीम संग एक तस्वीर शेयर की। यह उन्हें बर्थडे विश करने के लिए थी, लेकिन पोस्ट के लंबे नोट ने हर किसी का ध्यान खींच लिया। कैप्शन में लिखा, आई लव यू और बेटी अब्बा बोलती है जैसे बयान ने माही का नाम नदीम संग जोड़ने का काम किया। एक्ट्रेस की पोस्ट पर उन्हें ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा, तो उनकी करीबी दोस्त अंकिता लोखंडे ने सफाई देते हुए नदीम और माही के रिश्ते को दोस्ती का बताया।

विवाद हद से ज्यादा बढ़ने के बाद माही विज के एक्स हसबैंड ने भी इंस्टाग्राम स्टोरी पर अंकिता लोखंडे की पोस्ट को शेयर करते हुए बताया कि वह अंकिता की बात का समर्थन करते हैं। इसके बाद माही विज ने खुद मामले पर चुप्पी तोड़ते हुए ट्रोलिंग करने वालों को खरी खोटी सुनाई। उन्होंने अपनी वीडियो में इस बात पर जोर दिया कि वह नदीम को अपना अच्छा दोस्त मानती हैं, और हमेशा मानेंगी। इतना ही नहीं, एक्ट्रेस का कहना है कि वह पिछले 6 साल से नदीम के लिए पोस्ट करती आ रही हैं, और उनकी बेटी नदीम को 'अब्बा' जय भानुशाली की मंजूरी के बाद बोलती है।

खुद को फिल्म क्रिटिक्स बताने वाले कमाल राशिद खान यानी केआरके ने माही विज की वीडियो देखने के बाद पूरे मामले पर रिएक्शन दिया है। बता दें कि उन्होंने अपनी पोस्ट में इस बात का जिक्र किया है कि पहले वह खुद को इस मामले से दूर रखना चाहते थे, लेकिन माही विज की वजह से उन्हें इस पूरे विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया देनी पड़ रही है।

केआरके ने लिखा, 'मैं पूरी तरह से माही विज के तलाक और विवाद से बच रहा था। लेकिन अब मुझे इसके बारे में बोलना ही पड़ रहा है, क्योंकि माही विज बहुत ज्यादा ड्रामा कर रही हैं। माही सिर्फ 'हैप्पी बर्थडे नदीम कह सकती थीं, लेकिन उन्होंने दुनिया को नदीम और अपने बारे में बताने के लिए लंबी स्टोरी लिख दी। और यह ठीक भी है। लेकिन उसके बाद उन्हें सच बोलने और सच स्वीकार करने का साहस होना चाहिए। माही और उनके पति दोनों सच जानते हैं। इसलिए माही को मीडिया और जनता को दोष नहीं देना चाहिए।

खत्म हुआ महाराष्ट्र निकाय चुनाव का प्रचार

बीएमसी सहित सभी 29 निगमों में कब मतदान और नतीजा कब?

दिव्यांश

महाराष्ट्र में नगर निकाय चुनावों के लिए तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। बृहन्मुंबई नगर निगम सहित 29 नगर निगमों में यह चुनाव तीन साल के देरी से हो रहे हैं। राज्य चुनाव आयोग की तरफ से लगातार चुनावों की तैयारियों पर नजर रखी जा रही है। सभी पार्टियों के गठबंधन, सीटें और उम्मीदवार तय हो चुके हैं। नगर निकाय चुनावों का पूरा शेड्यूल क्या है, मतदान का समय, नतीजे कब आएंगे आइये जानते हैं...

चुनाव की तारीख और नतीजे

महाराष्ट्र में बीएमसी सहित 29 नगर निगमों के चुनाव 15 जनवरी, 2026 को कराए जाएंगे। यह चुनाव एक ही चरण में होंगे। मतदाता चुनाव में आसानी से वोट कर सकें इसके लिए सार्वजनिक अवकाश की भी घोषणा की गई है। ग्रेटर मुंबई के सभी पोलिंग स्टेशनों पर सुबह 7.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक वोटिंग होगी। नतीजे 16 जनवरी, 2025 को घोषित किए जाएंगे।

चुनाव से जुड़ी कुछ जरूरी तारीख

नामांकन का प्रक्रिया 23 दिसंबर 2025 से शुरू हुई थी। वहीं नामांकन की आखिरी तारीख 30 दिसंबर थी। जिन उम्मीदवारों ने नामांकन कर दिया था, लेकिन किसी कारण वश नाम वापस लेना हो तो उसकी तारीख 2 जनवरी 2026 रखी गई थी। 3 जनवरी को जो उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं, उनकी अंतिम सूची जारी हुई थी। मतदान 15 जनवरी 2026 को होगा। नतीजों की घोषणा 16 जनवरी 2025 को होगी।

बीएमसी में 1.03 करोड़ मतदाता

बीएमसी की सभी 227 वार्डों में 1.03 करोड़ से अधिक मतदाता वोट डालने के योग्य हैं। महराष्ट्र में कुल 29 नगर निगम हैं। इसमें से बीएमसी यानी बृहन्मुंबई नगर निगम सबसे बड़ा नगर निगम है।

किस गठबंधन के पास कितनी सीटें

सबसे पहले बात सत्तारूढ़ पार्टी की करते हैं। इसमें भाजपा-शिव सेना (एकनाथ शिंदे) शामिल हैं। इस गंठबंधन का नाम आरपीआई महायुति गठबंधन है। बीएमसी के लिए महायुति के घटक दल भाजपा 137 और शिव सेना 90 सीटों पर चुनावी मैदान में है। इसके साथ ही महायुति की तीसरी सहयोगी एनसीपी जो विधानसभा में गठबंधन के साथ है, उसने अकेले चुनाव लड़ने का एलान करते हुए 94 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। वहीं दूसरे गठबंधन की बात करें तो कांग्रेस के 143 उम्मीदवार मैदान में हैं। बीएमसी में कांग्रेस का साथ पूर्व सांसद प्रकाश अंबेडकर के नेतृत्व वाली वंचित बहुजन अघाड़ी दे रही है। वीबीए ने 42 सीटों पर उम्मीदवार उतारें हैं। कांग्रेस की एक और सहयोगी है राष्ट्रीय समाज पक्ष। यह छह सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

तीसरे गठबंधन की बात करें तो वह शिवसेना (उद्धव ठाकरे), एनसीपी (शरद पवार) और मनसे (राज ठाकरे) का है। शिवसेना के पास 150 से ज्यादा सीटें हैं, एनसीपी के पास 11 और हाल ही में अपने भाई से जुड़ने वाले राज ठाकरे की पार्टी बची हुई बाकि सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

महाराष्ट्र में जिला परिषद और पंचायत समितियों के चुनाव की तारीख का ऐलान

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र की 12 जिला परिषदों और 125 पंचायत समितियों में 5 फरवरी को चुनाव होंगे, मतगणना सात फरवरी को होगी. महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग के कमिश्नर दिनेश वाघमारे ने मंगलवार (13 जनवरी) को चुनावी कार्यक्रम की तारीखों का ऐलान किया. 16 जनवरी से 18 जनवरी तक नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे. 19 जनवरी को नामांकन पत्रों की जांच होगी. 21 जनवरी को नाम तक नाम वापस लिए जा सकेंगे. 22 जनवरी को सिंबल बांटे जाएंगे और इसके बाद इसी दिन फाइनल उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की जाएगी. दिनेश वाघमारे ने प्रेस कॉन्फ्रेस में बताया कि चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है. 25 हजार 482 पोलिंग स्टेशन पर सुबह 7:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक वोटिंग होगी.

इन 12 जिलों में होंगे जिला परिषद के चुनाव

कोंकण संभाग, रायगढ़, रत्नागिरी, सिंधूदुर्ग, पुणे संभाग, पुणे, सतारा, सांगली, कोल्हापुर, सोलापुर, छत्रपति संभाजीनगर संभाग,

छत्रपति संभाजीगनर, परभणी, धाराशिव, लातूर

1 जुलाई 2025 तक तैयार वोटर लिस्ट का इस्तेमाल- वाघमारे

यह कार्यक्रम सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्थानीय निकाय चुनावों के लिए मतदान प्रक्रिया पूरी करने की 31 जनवरी की समय सीमा को दो सप्ताह तक बढ़ाने के एक दिन बाद घोषित किया गया. वाघमारे ने कहा कि इन चुनावों के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा एक जुलाई, 2025 तक तैयार की गई मतदाता सूची का इस्तेमाल किया जाएगा. नियमों के अनुसार, मतदाता सूचियों को जिला परिषद और पंचायत समिति के निर्वाचन क्षेत्रों के लिए अलग-अलग कर दिया गया है, और इस स्तर पर नाम जोड़े या हटाए नहीं जा सकते हैं.

इन लोगों को पोलिंग स्टेशन पर मिलेगी विशेष सुविधा

स्टेट इलेक्शन कमिश्नर ने बताया कि वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगों और गर्भवती महिलाओं को पोलिंग स्टेशनों पर खास सुविधाएं दी जाएंगी. इनमें रैंप, व्हीलचेयर, पीने का पानी और टॉयलेट शामिल हैं। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में सियासी तौर पर जनवरी और फरवरी का महीना अहम होने जा रहा है। 15 जनवरी को जहां महानगरपालिकाओं के चुनाव होने हैं, वहीं फरवरी के शुरुआती हफ्ते में ही जिला परिषद और पंचायत समितियों के लिए वोटिंग होगी।

कमिश्नर डॉ. कैलाश शिंदे द्वारा वोटिंग सामग्री वितरण प्रणाली का प्रारंभिक निरीक्षण

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पूरी प्रणाली नवी मुंबई नगर निगम के आम चुनावों के लिए तैयार है और बुधवार को, पोलिंग स्टेशनों पर तैनात पोलिंग अधिकारी टीमें सभी आठ रिटर्निंग अधिकारियों के कार्यालयों से वोटिंग सामग्री वितरित करेंगी और अपने-अपने केंद्रों के लिए रवाना होंगी। नगर आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे ने सामग्री वितरण प्रणाली का जायजा लेने के लिए रिटर्निंग अधिकारी के कार्यालय का दौरा किया। इस अवसर पर उनके साथ शहर अभियंता शिरीष आर्डवाड भी उपस्थित थे।

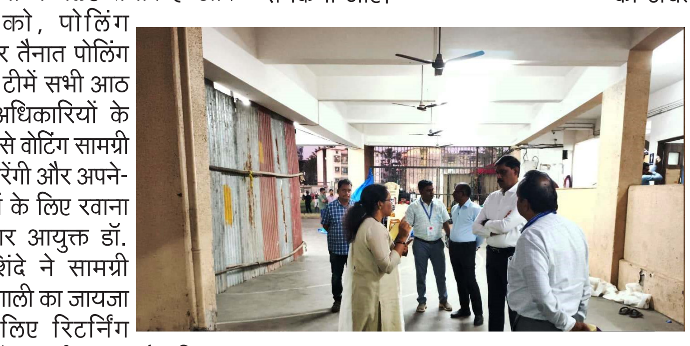

इस अवसर पर, कमिश्नर ने रिटर्निंग अधिकारी के कार्यालय में ईवीएम मशीन स्ट्रॉन्ग रूम सुरक्षा प्रणाली का निरीक्षण किया। वहां से, उन्होंने पोलिंग स्टेशन-वार वोटिंग मशीनों और वोटिंग सामग्री के वितरण के बारे में जानकारी ली और निर्देश दिया कि वोटिंग सामग्री का वितरण बहुत शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से किया जाए।

इसमें, वितरण प्रणाली में उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति, पोलिंग स्टेशनों के अनुसार उनकी ग्रुपिंग, उन्हें क्रमबद्ध तरीके से सामग्री वितरित करना, इसका उचित रिकॉर्ड रखना, यह सुनिश्चित करना कि वे संबंधित फील्ड अधिकारियों के साथ अपने-अपने पोलिंग स्टेशनों पर उचित तरीके से पहुंचें, इसके लिए आवश्यक परिवहन व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था करना, साथ ही उनके जलपान की व्यवस्था करना, जैसे सभी मामलों की उचित योजना पर पूरा ध्यान देने का निर्देश दिया गया। इसी तरह, कमिश्नर ने कुछ ऐसे स्थानों पर भी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया जहां बड़ी संख्या में पोलिंग स्टेशन हैं और कुछ सुधारों का सुझाव दिया।

नवी मुंबई नगर निगम चुनावों के संबंध में, नगर आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे यह सुनिश्चित करने पर पूरा ध्यान दे रहे हैं कि कार्यवाही का हर चरण शुरू से ही व्यवस्थित तरीके से किया जाए और संबंधित एजेंसियों को यह सुनिश्चित करने के लिए भी सख्त निर्देश दिए हैं कि 13 जनवरी को शाम 5.30 बजे चुनाव प्रचार अवधि समाप्त होने के बाद आचार संहिता का उल्लंघन न हो।

पुणे-पीसीएमसी चुनावः साथ रहकर भी जुदा राहें, फडणवीस बोले- अजीत पवार ने तोड़ा हमारा भरोसा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पिंपरी-चिंचवाड़ नगर निगम (पीसीएमसी) में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख अजीत पवार द्वारा बार-बार लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि उपमुख्यमंत्री ने सौहार्दपूर्ण चुनाव की प्रतिबद्धता का पालन नहीं किया। पुणे में पत्रकारों से बात करते हुए, देवेंद्र फडणवीस ने महायुति दलों के बीच एक समझौते का जिक्र किया, जिसके तहत एक-दूसरे पर व्यक्तिगत हमले नहीं किए जाएंगे। अजीत पवार राज्य में सत्ताधारी गठबंधन का हिस्सा होते हुए भी, पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ के स्थानीय निकाय चुनावों के लिए भाजपा और शिवसेना से अलग होकर अपने चाचा शरद पवार की एनसीपी के साथ गठबंधन करके चुनाव लड़ने का फैसला किया।

पुणे जिले के पालक मंत्री अजीत पवार ने एएनआई को बताया कि स्थानीय लोगों को टैंकर माफिया से संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। एएनआई को दिए साक्षात्कार में

उन्होंने आरोप लगाया कि पीसीएमसी के विभिन्न विभागों पर लगभग 4,000 करोड़ रुपये के कुल बिल बकाया हैं, और लागत में हेराफेरी के कई मामले सामने आए हैं, जिनमें 70 लाख रुपये की सड़क का 7 करोड़ रुपये में निर्माण और निगम के सॉफ्टवेयर की लागत का मूल 12 करोड़ रुपये से बढ़कर 120 करोड़ रुपये हो जाना शामिल है। इसके जवाब में, फडणवीस ने पुणे में पत्रकारों से कहा कि मैं अपने वचन का पालन करने वाला व्यक्ति हूं। इसीलिए, जब यह तय हुआ कि पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ में हम एनसीपी के साथ गठबंधन में चुनाव नहीं लड़ेंगे, तो हमने यह भी कहा था कि यह एक सौहार्दपूर्ण मुकाबला होगा और हम एक-दूसरे पर कोई व्यक्तिगत हमला नहीं करेंगे। हमने उस प्रतिबद्धता को अंत तक निभाया, लेकिन अजीत पवार ने ऐसा नहीं किया। उन्होंने ऐसा क्यों किया, यह मुझे नहीं पता।

इससे पहले, अजीत पवार ने एएनआई को बताया, 'चुनाव शुरू होने के बाद से, मैंने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके बताया है कि क्या-क्या गलत हुआ है। पिंपरी-चिंचवाड़ इतना समृद्ध निगम था, फिर भी उन्हें बॉन्ड जारी करने पड़े। विभिन्न विभागों में लगभग 4,000 करोड़ रुपये के बिल लंबित हैं और भ्रष्टाचार बढ़ता जा रहा है। मैंने इसके उदाहरण दिए हैं। मात्र 70 लाख रुपये के पुल का खर्चा बढ़ाकर 7 करोड़ रुपये कर दिया गया। उन्होंने पेड़ काटने की योजना बनाई, इसके लिए भी 7 करोड़ रुपये लिए, लेकिन एक भी पेड़ नहीं काटा गया। 12 करोड़ रुपये का सॉफ्टवेयर था, उसका खर्चा बढ़ाकर 120 करोड़ रुपये कर दिया गया।' एनसीपी के साथ चुनाव के बाद गठबंधन के बारे में पूछे जाने पर, फडणवीस ने कहा कि महायुति ने 'विपक्ष को साथ लेकर' चली है।

बुलेट पर होकर सवार, फडणवीस ने नागपुर में किया प्रचार, कहा- मुंबई में महायुति का मेयर बनेगा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र में नगर निगम चुनाव के लिए प्रचार आज समाप्त हो रहा है। इससे पहले, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर में रोड शो किया। सुरक्षा व्यवस्था कड़ी थी, जिसके बीच मुख्यमंत्री मोटरसाइकिल पर सवार होकर रोड शो में शामिल हुए। रोड शो भारत माता चौक से शुरू होकर विविध चौक से होते हुए महल क्षेत्र में शिवाजी प्रतिमा के पास समाप्त हुआ। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि मुंबई में महायुति गठबंधन महापौर का चुनाव करेगा। मुख्यमंत्री के रोड शो के लिए नागपुर के बडकस चौक को भव्य ढंग से सजाया गया था। आरएसएस का मुख्यालय बडकस चौक से लगभग 200 मीटर की दूरी पर स्थित है। मुख्यमंत्री के रोड शो से कुछ ही समय पहले आरएसएस प्रमुख मोहन भगवत का काफिला भी इसी रास्ते से गुजरा था। नागपुर में पूरे रोड शो मार्ग पर भव्य सजावट की गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष, केंद्रीय

मंत्री नितिन गडकरी, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अन्य वरिष्ठ नेताओं के पोस्टर प्रमुखता से प्रदर्शित किए गए थे। पूरे क्षेत्र में भाजपा के झंडे लहराते दिखाई दे रहे थे और कई स्थानों को गुब्बारों से सजाया गया था। फडनाविस ने भी सभा को संबोधित किया और राज्य के सभी नगर निगमों में महायुति की जीत का विश्वास व्यक्त किया।नागपुर नगर निगम चुनाव के प्रचार अभियान के लिए आज नागपुर में आयोजित 'ग्रैंड रोड शो' में उपस्थित जनता को संबोधित करते हुए, फडणवीस ने लिखा भाजपा-महायुति द्वारा किए गए कार्यों और लाए गए बदलाव को नागपुर की जनता ने देखा है। दूसरी ओर, विपक्ष ने कभी कोई विकास कार्य नहीं किया; वे केवल खोखले वादे करने वाले हैं। इसलिए, हमें पूरा विश्वास है कि हम सभी नगर निगम चुनाव जीतेंगे।

आठ रिटर्निंग ऑफिसर के ऑफिस के ज़रिए आठ जगहों पर स्वतंत्र गिनती प्रणाली

मुंबई । नवी मुंबई नगर निगम आम चुनाव 2025-26 के लिए वोटिंग 15 जनवरी 2026 को सुबह 7.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक होगी और वोटों की गिनती 16 जनवरी 2026 को सुबह 10 बजे होगी। 14 जनवरी 2026 को, सुबह से ही सभी आठ रिटर्निंग ऑफिसर के ऑफिस से पोलिंग स्टेशनों पर नियुक्त पोलिंग स्टेशन अध्यक्षों और पोलिंग अधिकारियों को वोटिंग मशीनें और पोलिंग स्टेशन का सामान बांटा जाएगा और 15 जनवरी को वोटिंग प्रक्रिया पूरी होने के बाद वोटिंग का सामान उसी जगह वापस लिया जाएगा। वोटिंग मशीनों को इन सभी ऑफिसों के स्ट्रॉन्ग रूम में कड़ी पुलिस सुरक्षा में सील करके रखा गया है। 16 जनवरी को, इन आठ चुनाव निर्णय ऑफिसों में सुबह 10 बजे वोटों की गिनती शुरू होगी, जिसके लिए स्वतंत्र गिनती अधिकारियों और कर्मचारियों को नियुक्त किया गया है और उनकी ट्रेनिंग भी पूरी हो गई है।

बेटे पर था 80 लाख का कर्ज, दो साहूकारों ने 63 साल की मां का किया अपहरण

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई । मुंबई के जूहू इलाके से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां दो साहूकारों ने 63 साल की महिला को किडनैप कर लिया है. आरोप है कि महिला के बेटे के जरिए 80 लाख रुपए का कर्ज भुगतान नहीं करने पर यह वारदात की गई है।

महिला को आरोपी ने तब तक नहीं रिहा किया जब तक उसने कर्ज स्वीकार करने वाले दस्तावेजों पर हस्ताक्षर नहीं किए थे। वैसे तो यह घटना पिछले महीने हुई थी. हालांकि पुलिस ने सोमवार को आरोपियों में से एक को गिरफ्तार कर लिया है, और अब उसके साथी की तलाश कर रही है.

30 फीसदी ब्याज पर लिया गया था कर्ज

पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता पिनाकिनी भंसाली ने बताया कि उनके बेटे मोनिल ने जफर कुरैशी समेत कई लोगों से 30 प्रतिशत ब्याज पर बड़ी रकम उधार ली थी और करीब 3 करोड़ रुपये की ज्वेलरी गिरवी रखी थी। पिनाकिनी का आरोप है कि लगभग 80 लाख रुपये की रकम चुकाने के बावजूद कुरैशी उनके बेटे को लगातार धमका रहा था।

क्राइम ब्रांच की कार्रवाई, एक आरोपी गिरफ्तार

क्राइम ब्रांच की यूनिट 10 ने कुरैशी के सहयोगी अल्फाज फिरोज कसम को गिरफ्तार किया, अवैध रूप से धन उधार देने, जबरन वसूली और आपराधिक धमकी रैकेट चलाने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है. वहीं बात करें अगर जफर कुरैशी की तो वह अभी फरार है।

पिछले महीने पीड़ित को कुरैशी और उसके दो साथियों ने उसे सांताक्रूज वेस्ट में जबरन एक कार में बैठाया और एक सुनसान जगह पर ले गए, जहां उसे धमकाया गया और दबाव में डालकर 80 लाख रुपये की देनदारी स्वीकार करने वाले स्टंप पेपरों पर हस्ताक्षर करने या अंगूठे का निशान लगाने के लिए मजबूर किया।

कुरैशी ने उसे धमकी दी कि अगर उसने मांगी गई रकम का भुगतान नहीं किया तो उनके बेटे की जान को खतरा होगा. इस दौरान आरोपी ने दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करते हुए महिला का वीडियो भी बनाया। महिला यह बात किसी को न बताएं, इसके लिए आरोपी ने गंभीर अंजाम भुगतने की धमकी दी और बाद में उसे छोड़ दिया गया. एक पुलिस अधिकारी ने बताया, 'इसके बाद आरोपी महिला को फोन करके धमकी देना शुरू कर दिया.' डरी हुई महिला ने अपने पति को इस बारे में बताया, जिसने उसे एफआईआर दर्ज कराने के लिए कहा।

कुरैशी पर अवैध कर्ज कारोबार चलाने का आरोप

शहर की क्राइम ब्रांच ने कुरैशी और अल्फाज फिरोज कसम के घरों की तलाशी ली, जहां कुरैशी और कई अन्य व्यक्तियों के बीच बड़े नकद लेनदेन से संबंधित वाहन बिक्री अनुबंध और संबंधित दस्तावेज मिले. इसके अलावा,

दबाव में दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराने की घटना वाला एक मोबाइल फोन भी जब्त किया।

क्राइम ब्रांच ने आरोप लगाया है कि कुरैशी अवैध रूप से पैसे उधार देने का धंधा चला रहा थाः बिना लाइसेंस के कारोबार करना, अत्यधिक ब्याज दरों पर पैसा उधार देना, और अपने सहयोगियों की मदद से धमकियों और दबाव के माध्यम से बकाया राशि वसूलना. साथ ही पुलिस को यह भी संदेह हुआ कि कुरैशी ने इसी तरह से कई अन्य लोगों को भी निशाना बनाया होगा।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)